जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 265 प्रभात उदयपुर, शनिवार 1 अगस्त, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रु.

अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री मोदी पर बहुत भद्दा कटाक्ष किया

इससे नहीं लगता कि छात्रों व सरकार के बीच यह मामला किसी सम्मानजनक तरीके से सिमटेगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- ऐसी संभावना है कि प्रधानमंत्री की छवि को ठेस पहुँचाने के प्रयास को भाजपा स्वीकार नहीं करेगी और करारा जवाब देगी।
- प्रधानमंत्री के शुक्रवार रात आए सैल्फी स्टाइल वीडियो पर दीपके ने कटाक्ष किया है कि "आपकी स्किन देश के भविष्य से ज्यादा चमकदार है।"
- छात्रों को लगता है कि प्रधानमंत्री और सरकार उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं है, वहीं सत्ता पक्ष को लगता है, छात्रों का व्यवहार बेहद असम्मानजनक है।
- दोनों पक्ष खुद को सही और दूसरे पक्ष को असंवेदनशील मानते हैं तथा असम्मानजनक तरीके से देखते हैं।
- दोनों ओर से राजनीतिकरण की बदबू आ रही है और ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों के बीच इस मसले का सम्मानजनक समाधान होने की संभावना कम है।

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर स्थित अपने गृह नगर लौटने के बाद दीपके ने प्रधानमंत्री मोदी पर एक और निशाना साधा। उन्होंने संशोधित पेपर लीक विरोधी कानून पर प्रधानमंत्री द्वारा देर रात इंस्टाग्राम पर डाले गए वीडियो का मज़ाक उड़ाया।

दीपके ने मोदी की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

यह टिप्पणी उस समय आई, जब प्रधानमंत्री मोदी ने संसद से "लोक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026" पारित होने पर सैल्फी शैली का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने इसे भारत की परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

गुरुवार देर रात पोस्ट किए गए इस वीडियो को अब तक 6.3 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो में प्रधानमंत्री ने इस विधेयक की सराहना करते हुए कहा कि इससे, कड़ी सजा, तकनीक आधारित सुधार और तेज जांच के जरिए, परीक्षा में होने वाली धोखाधड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें इस दिशा में ठोस कदम उठाने में असफल रही थीं।

मोदी ने कहा, "विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हम लगातार एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं।" उन्होंने बताया कि सरकार ने एक टास्क फोर्स बनाई है, फास्ट-ट्रैक व्यवस्था तैयार की जा रही है और परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए राज्यों से भी सलाह ली जा रही है।

उन्होंने कहा, "पेपर माफिया, पेपर लीक में शामिल कोई भी गिरोह और देश के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला कोई भी व्यक्ति बख्शा नहीं जाएगा।"

दीपके, जो एक महीने से अधिक समय तक सीजेपी के आंदोलन का नेतृत्व करने के बाद हाल ही में घर लौटे हैं, ने लगभग एक घंटे बाद जवाब देते हुए लिखा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

संशोधित कानून के तहत, परीक्षा में धोखाधड़ी करने वालों के लिए 5 से 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, समयबद्ध जांच अनिवार्य की गई है और राज्यों को पेपर लीक के मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करनी होंगी। यह कानून इस वर्ष, खासकर नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक के नए आरोपों के बाद, लाया गया। इन घटनाओं के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी और देशभर में छात्रों का बड़ा आंदोलन शुरू हो गया था।

संसद से विधेयक पारित होने से

(शेष पृष्ठ 11 पर)

पंचायत-निकाय चुनावों पर अवमानना याचिकाएं सारहीन- हाई कोर्ट

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पंचायत और निकाय चुनाव कराने को लेकर पूर्व में 22 मई को दिए आदेश की पालना नहीं होने से जुड़ी अवमानना याचिकाएं शुक्रवार को निस्तारित कर दीं। जस्टिस सुदेश बंसल व जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने यह निर्देश पूर्व एमएलए संयम लोढ़ा व गिरिराज सिंह देवंदा की अवमानना याचिकाओं पर दिया।

- अदालत ने कहा, ये चुनाव अब 15 नवंबर तक करवाने हैं, इसलिए याचिकाएं आगे सुनवाई के योग्य नहीं हैं।

सुनवाई के दौरान प्रार्थी पक्ष के अधिवक्ता पुनीत सिंघवी व प्रेमचंद देवंदा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव का समय बढ़वाने के लिए खंडपीठ में प्रार्थना पत्र दायर किया था। जिस पर अब राज्य सरकार को पंचायत व निकाय चुनाव 15 नवंबर तक करवाने हैं। इसलिए ये अवमानना याचिकाएं सारहीन हो गई हैं और आगे सुनवाई योग्य नहीं हैं। इसलिए इन्हें वापस लेने की अनुमति दी जाए।

खंडपीठ ने प्रार्थी पक्ष को सुनने के बाद अवमानना याचिकाओं को वापस लेने की अनुमति देते हुए निस्तारित कर दिया।

(शेष पृष्ठ 11 पर)

शहज़ाद पूनावाला ने भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दिया

पूनावाला ने अपने एक्स हैंडल से भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता पद हटा दिया है, लेकिन "प्र.मंत्री के आजीवन अनुयायी" का टैग कायम रखा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हालांकि, अभी तक शहज़ाद पूनावाला के इस्तीफे पर कोई अधिकृत प्रतिक्रिया नहीं आई है।
- बताया जाता है कि शहज़ाद पूनावाला ने पार्टी नेताओं को जो इस्तीफा भेजा है, उसमें निजी कारणों से इस्तीफा देने का उल्लेख किया है। पूनावाला 2017 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे।
- पूनावाला प्र.मंत्री मोदी के कट्टर समर्थक हैं और टीवी पर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर बेहद तीखा हमला करने के लिए जाने जाते हैं। उनका कहना है कि सिर्फ भाजपा ही है, जिसमें सभी को मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही है, जो नरेन्द्र मोदी जैसे "सैल्फ मेड" व्यक्ति को प्रधानमंत्री बना सकती है।
- पूनावाला ने कहा कि युवाओं की एक मात्र हितैषी भाजपा ही है।

नई दिल्ली, 31 जुलाई। टीवी बहसों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का सबसे प्रमुख चेहरा माने जाने वाले शहज़ाद पूनावाला ने पार्टी छोड़ दी है। गुरुवार को पूनावाला ने अपने एक्स प्रोफाइल से "भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता" हटाकर, केवल "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आजीवन अनुयायी" लिखा।

उन्होंने अपने एक्स बायो से भाजपा का उल्लेख हटा दिया है। हालांकि, अब तक उनके इस्तीफे को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सूत्रों के हवाले से आई रिपोर्टों के अनुसार, पूनावाला पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं। सीएनएन-न्यूज़-18 ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंप दिया और इसके पीछे "व्यक्तिगत कारण" बताए। लेकिन पूनावाला अब भी स्वयं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का "आजीवन अनुयायी" बताते हैं।

शहज़ाद पूनावाला ने वर्ष 2017 में कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर हुये विवाद के बाद कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया।

पूनावाला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के प्रबल समर्थक रहे हैं। वे टीवी बहसों और अन्य मंचों पर अपने आक्रामक बयानों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बार कांग्रेस और उसके नेताओं, विशेषकर राहुल गांधी, पर सोशल मीडिया के जरिए से तीखे हमले किए हैं। शुक्रवार को पूनावाला ने अपने एक पुराने साक्षात्कार की वीडियो क्लिप

(शेष पृष्ठ 11 पर)

'चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में प्र.मंत्री पर संदेह का कोई कारण नहीं है'

केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त व दो अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर जवाब पेश किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री के पद की एक गरिमा व पवित्रता होती है, अगर उनके निर्णय पर भरोसा नहीं किया जा सकता तो क्यों ना ऐसा प्रावधान भी कर दिया जाए कि केन्द्र में मंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया में वे किसी पूर्व जज या किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह लें।
- ज्ञातव्य है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए जो पुराना पैनल था, उसमें प्र.मंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल थे, पर इसमें संशोधन करके सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की जगह एक केन्द्रीय मंत्री को शामिल किया गया है।

नई दिल्ली, 31 जुलाई। केन्द्र सरकार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की वर्तमान प्रक्रिया का जोरदार बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा कि प्रधानमंत्री, एक केन्द्रीय मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता वाली तीन सदस्यीय समिति द्वारा की जाने वाली नियुक्तियों में प्रधानमंत्री की भूमिका पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है।

सरकार ने तर्क दिया कि संवैधानिक न्यायालय यह मानकर नहीं चल सकते कि कार्यपालिका लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध कार्य करेगी। सरकार ने आगे कहा कि चयन समिति पर सवाल उठाना संसद की विधायी बुद्धिमत्ता और निर्वाचित संस्थाओं में संविधान द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास पर संदेह करने के समान होगा।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा, "प्रधानमंत्री के पद की अपनी एक गरिमा और पवित्रता है।" उन्होंने आगे कहा, "यदि उनके

(शेष पृष्ठ 11 पर)

दो दिन में 25 लाख कांवड़ियों ने गंगाजल भरा

हरिद्वार, 31 जुलाई। कांवड़ मेले के दूसरे दिन हरिद्वार में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पुलिस कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को 14 लाख 55 हजार श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 25 लाख 10 हजार शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर विभिन्न राज्यों के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं।

- हरिद्वार में शिव भक्तों की भारी भीड़ के लिए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की।

जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का उपयोग करें और प्रशासन तथा पुलिस द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करें। अधिकारियों ने बताया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ 24 घंटे कार्यरत हैं, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुगम हो सके।

गंगनहर में डूबने से चार कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार, 31 जुलाई। हरिद्वार के ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में चार कांवड़ियों की गंगनहर में डूबने से मौत हो गई। सभी मृतक चंडीगढ़ से कांवड़ यात्रा पर हरिद्वार आए थे और उनकी उम्र करीब 16 से 18 वर्ष बताई जा रही है।

- ये सभी चंडीगढ़ से कांवड़ यात्रा में हरिद्वार आए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जटवाड़ा पुल के पास स्नान के दौरान एक कांवड़िया गहरे गड्ढे में फंसकर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके तीन साथी भी पानी में उतर गए, लेकिन वे भी गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके

(शेष पृष्ठ 11 पर)

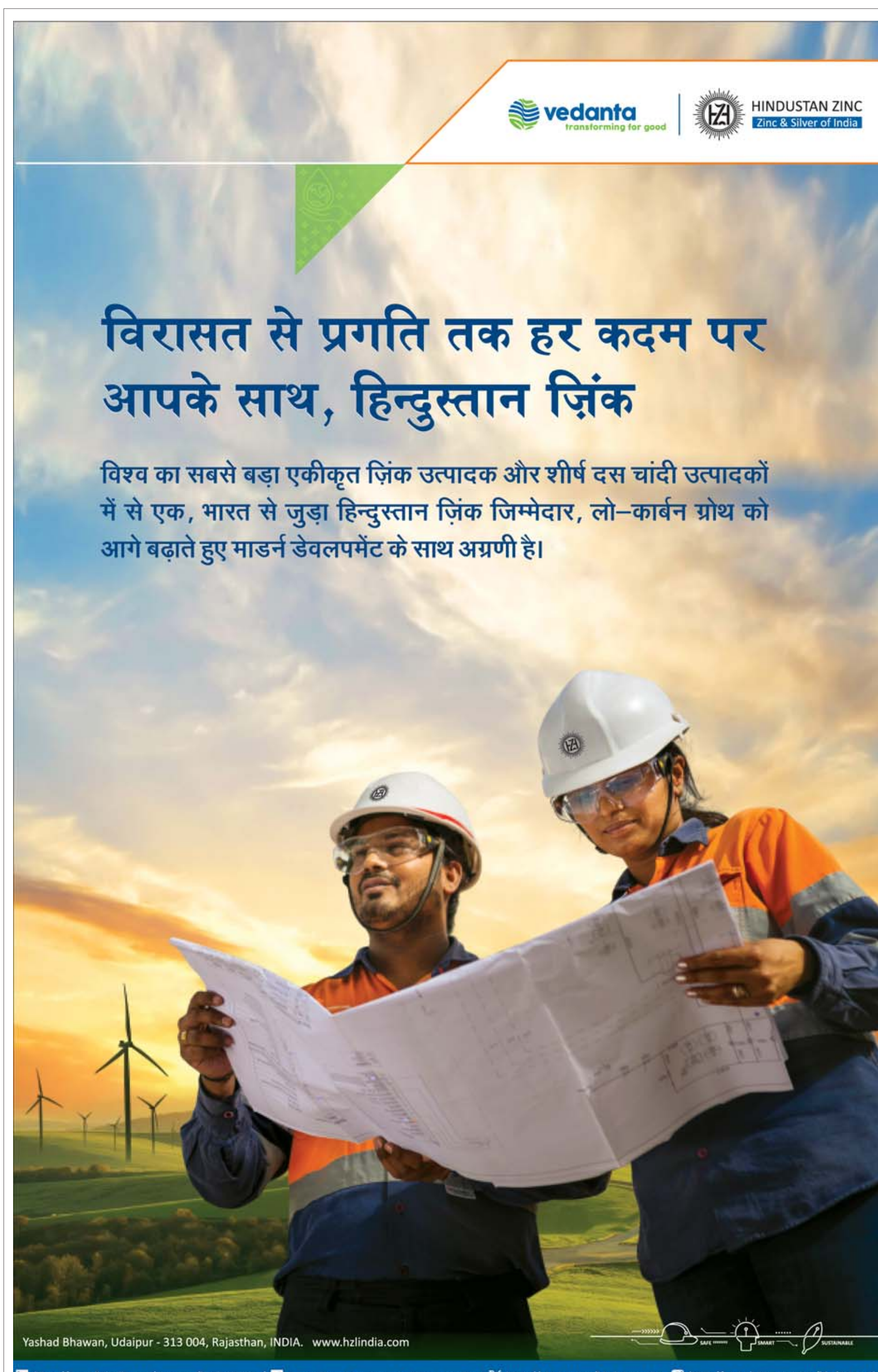

क्या बात है कि मिटती नहीं हस्ती हमारी !

> राष्ट्रदूत एक जज़्बा है, एक जुनून है, एक सोच है, एक "थॉट" है। एक शेर है, जिसे दोहराया जा सकता है, जिसे नापसंद भी किया जा सकता है, पर, उसकी हस्ती मिटायी नहीं जा सकती। राष्ट्रदूत केवल मशीनें, कम्प्यूटर, बिल्डिंग नहीं है। उसे तंग तो किया जा सकता है, खत्म नहीं किया जा सकता, केवल प्रशासनिक दबावों से, भय से।

राजेश शर्मा
सम्पादक
राष्ट्रदूत

सुमन दुबे, इकॉनमिस्ट, लेखक, जर्नलिस्ट, इंडिया टुडे को स्थापित करने वाली टीम के सदस्य तथा मुख्यधारा के अखबार, इण्डियन एक्सप्रेस, हिन्दुस्तान टाइम्स के पूर्व स्तम्भकार, राजीव गांधी के दून स्कूल के सहपाठी व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की ओरिजिनल टीम व थिंक टैंक के सदस्य कहते थे, "राजस्थान अखबारों का कब्रिस्तान है।" शायद नवयुग, लोकवाणी आदि का उदाहरण उनके दिमाग में रहा होगा, पर उनका कथन किसी हद तक सही ही था।

शायद इस बात का कुछ आभास हजारी बाबू को भी था, अतः "राष्ट्रदूत" प्रकाशित करने के लिए उनकी "फर्स्ट चॉइस" जयपुर नहीं बैंगलोर थी और उन्होंने बैंगलोर से हिन्दी में नहीं, अंग्रेजी में अखबार निकालने का मन बनाया। यह और कहानी है कि, कैसे जयनारायण व्यास, जो उनके लिए गुरुतुल्य व पिता तुल्य शख्सियत थे, ने हजारी बाबू का अखबार के बारे में "सोच" व मन बदला, और राष्ट्रदूत शुरु किया हजारी बाबू ने एक अगस्त 1951 को जयपुर से।

> राष्ट्रदूत कभी सरकार का लाड़ला नहीं बन सका, चाहे किसी गुट का या पार्टी का शासन रहा हो। राष्ट्रदूत के प्रति सरकारों का रुख सदा खुली "शत्रुता" और बेरुखी बर्दाश्त करने की सीमा के बीच ही झूलता रहा

आज सत्तर साल से राष्ट्रदूत खड़ा है, राजस्थान की वीर भूमि पर। फिर भी सुमन दुबे जैसे बड़े स्तम्भकारों व सम्पादकों का यह सोच भी किसी हद तक सही था कि, राजस्थान की धरती अखबारों के लिए खास उवर्रक नहीं है। क्योंकि 1950 से, अगर गिना जाए तो, कई अखबार आये और दफन होकर चले गये। जैसे वनस्थली विद्यापीठ के संस्थापक व राजस्थान के पूर्व मु.मंत्री हीरालाल शास्त्री का समाचार पत्र लोकवाणी और सुखाड़िया के राजनीतिक व प्रशासनिक सोच के प्रथम वफादार, जो बाद में कई बार मुख्यमंत्री रहे, हर देव जोशी से शुरु करवाया गया अखबार नवयुग, जिसके प्रबंध संपादक थे आर के मिश्रा, जो दिल्ली के एक जाने-माने पत्रकार, पेट्रिअट अखबार के संपादक तथा रिलायन्स ग्रुप थिंक टैंक ओ.आर. एफ. के संस्थापक व संचालक भी थे।

बहरहाल राजस्थान में मुख्य धारा से जुड़े इन दोनों अखबारों से भिन्न राष्ट्रदूत शायद इसलिए जीवित रह गया क्योंकि राष्ट्रदूत कभी सरकार का लाड़ला नहीं बन सका, चाहे किसी गुट का या पार्टी का शासन रहा हो। राष्ट्रदूत के प्रति सरकारों का रुख सदा खुली "शत्रुता" और बेरुखी बर्दाश्त करने की सीमा के बीच ही झूलता रहा, हालांकि यह सच है कि, जयनारायण व्यास की इस बात व तर्क से प्रभावित होकर कि "अखबार बाजी व आतिशबाजी का एक ही सिद्धान्त होता है, घर के आंगन में की जाती है, जिससे घर वाले, परिवार वाले, परिजन व मौहल्ले वाले उसका आनंद ले सकें", 1949 में अखबार शुरु करने हजारी बाबू कलकत्ता से जयपुर आए थे। पर जैसे गुरु वैसे ही चेला, अखबार को शुरु होने में दो साल लग गये। हालांकि मशीनें, कम्पोज़िंग में काम आने वाले टाइप, पेज बनाने के फर्मे, एक वैगन कागज, हजारीबाबू कलकत्ता से साथ लाये थे। कम्पोज़िटरों का जत्था मूलतः मैथिल ब्राह्मणों का था। ये लोग कलकत्ता में हिन्दी की पुस्तकें छापने वाले प्रिन्टिग प्रेसों में काम करते थे। सम्पादकीय विभाग में भी कई महारथी, जैसे शिवपूजन त्रिपाठी, दिनेश खरे, कालीचरण पांडेय आदि, बनारस के "आज" अखबार या आगरा के "उजाला" से लाये गये थे। कुछ स्थानीय प्रतिभा को भी ढूंढकर जोड़ा गया सम्पादकीय विभाग में, जैसे, सुमनेश जोशी, श्रीगोपाल पुरोहित, कैलाश मिश्रा, बिशन सिंह शेखावत, मास्टर हरी प्रसाद शर्मा, हरमल सिंह, कौशल किशोर शर्मा, मोहन लाल गुप्ता, जयसिंह एस राठौड़, युगल किशोर चतुर्वेदी, लप्पा बेडवाल, चन्द्रगुप्त वार्ष्णेय, कपूरचंद कुलिश तथा युवा कवि तारा प्रकाश जोशी। नवयुग का प्रकाशन बन्द होने के बाद सिद्धनाथ तिवाड़ी, आनंद माधव मिश्रा, कमल किशोर जैन को भी साथ में लिया गया।

स्वाभाविक ही है, इस बहु प्रतिभाशाली, कई मतों वाली टीम को एक साथ रखकर अखबार निकालना काफी टेढ़ी खीर था और समय लेने वाला धैर्य का काम था। अखबार छापने के बाद, उसे जनता तक पहुंचाना भी आसान कृत्य नहीं था। दो ही बड़े न्यूज़ पेपर एजेन्ट थे, चांदपोल वाले चोंच महाराज, जो हिन्दुस्तान टाइम्स पब्लिकेशन के सोल एजेन्ट थे तथा जौहरी बाजार स्थित रॉयल स्टोर, जो टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के वितरक थे।

जब दोनों से हजारी बाबू ने संपर्क किया, सुबह चार-पांच बजे तक छपने वाले राष्ट्रदूत को कम से कम छः बजे तक ग्राहक तक पहुंचाने के लिए, तो टका सा जवाब मिला, "आपके अखबार में क्या खास बात है, जो सुबह उठते ही लोग पढ़ेंगे। सुबह का समय पूजा-पाठ, परिवार में बैठकर बातचीत करने का व ऑफिस और धंधे पर जाने की तैयारी का होता है। दिल्ली के अखबार 11-11.30 तक ट्रेन से आते हैं जिन्हें हम शाम तक घरों पर "डिस्ट्रीब्यूट" कर देते हैं और शाम को ऑफिस से लौट कर लोग तसल्ली से पढ़ते हैं।" थक-हार कर, नये हॉकरों की टीम तैयार की गयी, जो सुबह -सुबह पाठकों तक अखबार की प्रति पहुंचा दे। अधिकतर ये नये हॉकर सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले चपरासी आदि थे।

अखबार को "पॉपुलर" करने के लिए हजारी बाबू साइकिल से पुरानी बस्ती, रामगंज आदि रिहायशी कॉलोनियों में घूमे, अपना परिचय दिया कि, कैसे वे कलकत्ता से आये हैं अखबार निकालने तथा उनका सहयोग मांगा खबरों के लिए और कॉपियां खरीदने का अनुरोध किया।

मेहनत रंग लायी, पर दो साल लग गये अखबार जनता तक पहुंचाने में। उसके बाद लगभग एक सप्ताह में तीन बार मु.मंत्री व्यास का सुबह छः बजे फोन आता, हजारी बाबू को ललकारते हुए, "क्या यह अखबार निकालने के लिए कलकत्ता से आये थे, चार दिन से एक भी सरकार विरोधी खबर नहीं है, **राष्ट्रदूत है या राजदूत।**"

राष्ट्रदूत के जन्म से द्वितीय विश्व युद्ध का अजीबोगरीब संबंध था। 1940 के दशक में जापानी फौजें, बर्मा से चढ़ते हुए इम्फाल तक पहुंच गयी थीं, तथा कलकत्ता पर जापानी लड़ाकू वायुयान कई "सॉर्टी" कर चुके थे। अफवाहों का बाज़ार गर्म था, कि जापानी यान कभी भी बमबारी कर सकते हैं। मारवाड़ी व्यापारी कलकत्ता खाली करने लगे थे। हजारी बाबू के पिता व चाचा, बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन के संस्थापक बन्धु, भी कलकत्ता छोड़ने का प्लान बनाने लगे थे। इस "आक्रमण" की दृष्टि से जयपुर सेफ माना गया, तथा जयपुर में हल्दियों के रास्ते में गोधों के चौक में, एक बड़ी हवेली तथा जौहरी बाज़ार में दो दुकानें खरीदी गयीं, जयपुर से व्यापार चलाने की दृष्टि से।

> अखबार को "पॉपुलर" करने के लिए हजारी बाबू साइकिल से पुरानी बस्ती, रामगंज आदि रिहायशी कॉलोनियों में घूमे, अपना परिचय दिया कि, कैसे वे कलकत्ता से आये हैं अखबार निकालने

जापानियों के आने की भगदड़ में, ब्रिटिश इन्फॉर्मेशन सर्विस ने अपना प्रचार तंत्र घटाना शुरू कर दिया था। ब्रिटिश इन्फॉर्मेशन सर्विस दक्षिण पूर्वी एशिया में अंग्रेजी सल्तनत के प्रचार तंत्र का स्तम्भ था। कलकत्ते में उनका विशाल, आधुनिक प्रेस था, जहां दक्षिण पूर्वी एशिया के लिए सारी प्रचार सामग्री छपती थी। "वाइन्डिंग अप प्रक्रिया" के तहत, इस विशाल प्रेस को बेचने के लिए टेण्डर आमंत्रित किये गये। पर, जब टेण्डर देने की अंतिम तारीख आयी, शहर में साम्प्रदायिक दंगे फैल गये। लेकिन हजारी बाबू अपना ऑफर वाला टेण्डर भर चुके थे। दंगे के कारण दूसरा कोई टेण्डर आया ही नहीं। करोड़ों की प्रिंटिंग मशीनें, कुछ लाख रुपयों में मिल गयीं। पर, पिता ने, जो खासे सफल व्यापारी थे, दो टूक जवाब दे दिया, "मेरे पास तुम्हारी ऊल-जलूल स्कीमों के लिए पैसा नहीं है।" लेकिन चाचा को शायद युवा हजारी बाबू की काबलियत पर उनकी नेक-दिली पर ज्यादा विश्वास था और उन्होंने मशीनों के लिए "डाऊन पेमैन्ट" उपलब्ध कराया। साल भर में आधी मशीनें बेचकर, हजारी बाबू ने रकम वापस कर दी तथा अपना प्रकाशन, जनवाणी प्रिन्टर्स शुरू किया। बाकी बची, कुछ मशीनों को लेकर हजारी बाबू जयपुर आये थे, राष्ट्रदूत खोलने।

उस समय जयपुर में कोई स्थापित अखबार नहीं था, अतः हॉकर होने का सवाल ही नहीं उठता था। बड़ी मुश्किलों से, काफी समझाइश के बाद हिन्दुस्तान टाइम्स व टाइम्स ऑफ इंडिया के एजेंटों को राजी किया, सुबह पांच बजे अखबार बांटने के लिए।

अखबार की पहचान बनाने के लिए, दिन भर साइकिल पर, हजारी बाबू ने जयपुर के संभ्रान्त नागरिकों के यहां चक्कर लगाकर घूम-घूम के अखबार का व स्वयं का परिचय दिया। मुन्नालाल मिश्र के नेतृत्व में मैथिल ब्राह्मणों की कम्पोज़िटरों की प्रारम्भिक टीम कलकत्ता से साथ आई थी, बाबूलाल मशीन मैन व उनके सहयोगी, जनवाणी प्रिन्टर्स से आए थे। गवरमैंट प्रेस बीकानेर के मशीन मैन हरिसिंह, शैतान सिंह, गोवर्धन सिंह आदि ने जनवाणी प्रिन्टर्स की मशीनों को ठोक बजाकर चलाने का जिम्मा संभाला। परंतु एडिटोरियल (जिसे राष्ट्रदूत का स्टाफ, पता नहीं क्यों हड्डी तोड़यल भी कहता था) की शुरू की मूल टीम में कलकत्ता की हिन्दी प्रचारिणी सभा के लोग थे। उनमें से ज्यादातर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के युवा लोग थे। जांबाज़ एवं उस समय के फैशन के अनुसार वामपंथी विचारधारा वाले, जैसे, शिवपूजन त्रिपाठी, दिनेश खरे, सिद्धनाथ तिवाड़ी, कालीचरण पाण्डेय, आनंद माधव मिश्रा आदि। लोकल टैलेन्ट (स्थानीय प्रतिभा) को धीरे-धीरे, परख-परख कर, हजारी बाबू अपने नवरत्नों में विभिन्न स्तर पर जोड़ते चले गये, मोहन लाल गुप्ता, कमल किशोर जैन, चन्द्रगुप्त वार्ष्णेय (सम्पादक) सौभागमल जैन, युगल किशोर चतुर्वेदी (सम्पादक), तारा प्रकाश जोशी, जयसिंह एस. राठौड़, प्रकाश भण्डारी, कौशल किशोर भार्गव आदि। बाहरी लोगों का बहुमत था, "स्थानीय टैलेन्ट" की तुलना में। यह व्यवस्था शायद लाभदायक व आवश्यक थी, उस समय, राजस्थान में पत्रकारिता व पढ़ाई-लिखाई की पुरानी स्थापित परम्परा न होने के कारण। पर, स्थानीय प्रतिभा का धीरे-धीरे समावेश हुआ, जिसका लाभ, बाद में जयपुर में आये अखबारों, राजस्थान पत्रिका, नवज्योति, भास्कर आदि को मिला। बाहरी व स्थानीय के मिश्रण ने अनूठी पहचान बनायी, जिस पर छाप रही हजारी बाबू के व्यक्तित्व की ही। इस छाप ने ही मिटने नहीं दी कभी हस्ती राष्ट्रदूत की।

> हठी, स्वाभिमानी, सिद्धान्त के मामले में कोई समझौता नहीं करने वाला राष्ट्रदूत का पत्रकार हरदम अलग सा रहा। जिसे पूरी तरह से न तो राजनीतिज्ञ, न राजनेता और न ही अफसरशाही ही समझ पाई। अतः राष्ट्रदूत से इन लोगों का रिश्ता कभी खट्टा कभी मीठा, पर कभी भी आरामदेह (कम्फर्टेबल) नहीं रहा।

हठी, स्वाभिमानी, सिद्धान्त के मामले में कोई समझौता नहीं करने वाला राष्ट्रदूत का पत्रकार हरदम अलग सा रहा। जिसे पूरी तरह से न तो राजनीतिज्ञ, न राजनेता और न ही अफसरशाही ही समझ पाई। अतः राष्ट्रदूत से इन लोगों का रिश्ता कभी खट्टा कभी मीठा, पर कभी भी आरामदेह (कम्फर्टेबल) नहीं रहा। "कम्फर्टेबल" (नजदीकी-आत्मीयता) तो, तब बनता है रिश्ता जब व्यक्तित्व, मान्यताएं, विश्वास एक जैसा हो। आमतौर पर राजनीतिज्ञ का "परसैप्शन" समयानुकूल व परिस्थिति पर आधारित होता है, अतः बदलता भी रहता है। इसलिए राष्ट्रदूत के पत्रकार व खबरनवीस को कभी मित्र, कभी विरोधी और सदा "अन्कम्फर्टेबल सवाल" करने वाला माना जाता है, और उसकी "उपयोगिता" के अनुसार उससे व्यवहार होता है। उपयोगिता उस समय के राजनीतिक (परसीव्ड) हित, से आंकी जाती है।

और, मजे की बात यह है कि, राष्ट्रदूत से अपने अजीबोगरीब संबंध को किसी मु.मंत्री ने कैसे "टैकल" किया (निभाया) यह उस राजनेता की स्वयं की "पर्सनैलिटी" व मनःस्थिति पर निर्भर रहा। मु.मंत्री सुखाड़िया ने अपने सत्रह साल के शासन के प्रारम्भिक दिनों में पहले राष्ट्रदूत से राजनीतिक तरीके से निपटने का प्रयास किया। नवयुग अखबार शुरू करवाया, राष्ट्रदूत से मुकाबले के लिए, जिसके सम्पादक थे हरदेव जोशी। हजारी बाबू, स्वयं कांग्रेस में पूर्णतया सक्रिय नेता थे, तथा विधायक भी थे। अतः राष्ट्रदूत में सबसे पहले कांग्रेस की अंदर की खबर छपती थी। नवयुग सुखाड़िया समर्थक होने की वजह से, इतनी निर्भीकता से ये खबरें व विश्लेषण नहीं दे पाता था, अतः पी.सी.सी. में बाकायदा सोच बना कि, कांग्रेस पार्टी में सक्रिय नेता व राजनीतिज्ञ, जो वरिष्ठ पदाधिकारी भी हैं, किसी भी अखबार से सम्पादक के रूप में सम्बद्ध नहीं होंगे, क्योंकि, इससे अन्दर की बातें लीक होती हैं। हजारी बाबू उस समय जयपुर के जिलाध्यक्ष भी थे, तथा राष्ट्रदूत के सम्पादक भी, इसलिए उनको अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। साथ में हरदेव जोशी भी नवयुग के सम्पादक के रूप में आगे काम नहीं कर सके।

> मजे की बात यह है कि, राष्ट्रदूत से अपने अजीबोगरीब संबंध को किसी मु.मंत्री ने कैसे "टैकल" किया (निभाया) यह उस राजनेता की स्वयं की "पर्सनैलिटी" व मनःस्थिति पर निर्भर रहा। मु.मंत्री सुखाड़िया ने अपने सत्रह साल के शासन के प्रारम्भिक दिनों में पहले राष्ट्रदूत से राजनीतिक तरीके से निपटने का प्रयास किया। नवयुग अखबार शुरू करवाया, राष्ट्रदूत से मुकाबले के लिए, जिसके सम्पादक थे हरदेव जोशी।

पर, जैसा स्वाभाविक ही था, इससे राष्ट्रदूत की राजनीतिक पकड़ या रिपोर्टिंग कमज़ोर नहीं पड़ी। अतः सुखाड़ियाजी ने, "इमोशनल एप्रोच" काम में ली। हजारी बाबू के पिता रामदयाल जोशी से मिलने पटना गये, तथा उनसे कहा, "आपका परिवार, पुराना कांग्रेसी परिवार है, "इन्डिपैन्डेंस मूवमैंट" (स्वतंत्रता संग्राम) से भी पहले से। पर, हजारी बाबू, मेरी सरकार (कांग्रेस की सरकार) के खिलाफ हैं। हजारी बाबू की तरह मैं भी आपके पुत्र के समान हूँ। हमारे बीच झगड़े की कोई वजह नहीं। हमारा झगड़ा खत्म करवाइये।" जोशी जी ने भी कूटनीतिक अंदाज में जवाब दिया "दो भाईयों के झगड़े में बड़ों का बोलना उचित नहीं होता।"

> "आप जैसा कहेंगे, वैसा ही करूंगा। पर पहले बता दें किस तारीख से राष्ट्रदूत का प्रकाशन बंद कर दूँ। एक ही राज्य में, अखबार भी चले और अपना उद्योग भी चलाऊँ यह संभव नहीं हो पायेगा।" इस कथन से उद्योग लगाने वाला संवाद तो खत्म हुआ, पर, सुखाड़िया जी का राष्ट्रदूत कमज़ोर करो अभियान समाप्त नहीं हुआ।

सुखाड़िया जी ने फिर उद्योगपति जोशी की दुःखती रग पर हाथ रक्खा और तर्क दिया, "राष्ट्रदूत में कोई कमाई नहीं है, घाटे का सौदा है। आप कोटा आकर बड़ा उद्योग लगाइये, अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप।" यह तर्क काम कर गया, जोशी जी ने पीछा शुरू कर दिया अपने पुत्र का, और सुखाड़िया के "ऑफर" पर अमल करने का दवाब बनाने लगे। सैकड़ों चिट्ठियां लिखीं हजारी बाबू को, और हर सर्दियों में अपने गांव कांसली में वार्षिक प्रवास पर आने पर यह व्यक्तिगत प्रयास जारी रक्खा। चौथे-पाँचवें वार्षिक प्रवास के दौरान थक हार कर हजारी बाबू ने कह दिया, "आप जैसा कहेंगे, वैसा ही करूंगा। पर पहले बता दें किस तारीख से राष्ट्रदूत का प्रकाशन बंद कर दूँ। एक ही राज्य में, अखबार भी चले और अपना उद्योग भी चलाऊँ यह संभव नहीं हो पायेगा।"

इस कथन से उद्योग लगाने वाला संवाद तो खत्म हुआ, पर, सुखाड़िया जी का राष्ट्रदूत कमज़ोर करो अभियान समाप्त नहीं हुआ। इस अभियान में अगला कदम था, अखबार के विज्ञापन बन्द करना। रामकिशोर व्यास ने इस बारे में अपना स्पष्टीकरण इस तरह दिया, "मैं उस समय डी.पी.आर. मंत्री जरूर था, पर, इस आदेश में मेरा रोल नहीं था, मैं तो केवल "मैसेज कैरिअर" ही था, ऊपर से जो आदेश था, उसी की अनुपालना की थी। मैं तो आपके परिवार को उस समय से जानता हूँ, जब जोशी जी, गोधों के चौक की हवेली खरीदने जयपुर आये थे। मैं ही वह वकील हूँ जिसने सारी लिखा पढ़ी की कार्यवाही करवायी थी, कोर्ट में।"

बहरहाल सभी सरकारों ने राष्ट्रदूत को बर्दाश्त किया, पर मूक असहयोग रखा। रोज के इन सदमात ने राष्ट्रदूत को तंग तो किया, पर सत्य है मजबूत भी किया। अखबार जनता की पसन्द तो बना अपने निर्भीक "स्टैण्ड" के कारण, पर कभी सम्पन्नता नहीं पा सका, सरकार के लगातार असहयोग की वजह से। रही सही कसर पूरी करी दिल्ली-बम्बई की एजन्सियों ने। तब इनका मानना था कि हिन्दी अखबार का पाठक, साधारण आदमी है, जो उनके कीमती उत्पादनों का ग्राहक नहीं है, अतः इन अखबारों में हम क्यों विज्ञापन दें, विशेषकर राजस्थान में, जो उस समय वैसे भी गरीब लोगों का गरीब प्रदेश माना जाता था। जब राजस्थान पत्रिका जमने लगा, कुलिशजी ने भी विज्ञापन एजेन्सियों की इस तरह की बेइन्साफी को महसूस किया तथा मेरे से कई बार दुखी मन से अपनी इस व्यथा को शेयर किया।

कभी "होस्टाइल" (शत्रुतापूर्ण) रवैये, पर सदा ही सरकार के "असहयोगी" रूख के कारण, राष्ट्रदूत को कभी सरकारी सुविधा व सुख भोगने की आदत नहीं पड़ी, चाहे सरकारी विज्ञापनों का किस्सा हो, या उन विज्ञापनों के भुगतान का। राष्ट्रदूत काफी समय तक प्रदेश का सबसे बड़ा अखबार था इसलिए विज्ञापन देना बन्द तो नहीं किया जा सकता था। अतः जो सरकारी विज्ञापन उस स्तर के सब अखबारों को मिलते थे, वो राष्ट्रदूत की झोली में भी आते थे। इन विज्ञापनों में भी 70-80 प्रतिशत जयपुर के बाहर के विभागों के होते थे। इन विज्ञापनों का भुगतान जयपुर के बाहर स्थित सरकार के दफ्तरों, जैसे सार्वजनिक निर्माण, पी.एच.ई.डी. व राजस्थान स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड, खान विभाग आदि, के इंजीनियर करते थे। पर विज्ञापन जारी करता था डी.पी.आर. (डायरैक्टर पब्लिक रिलेशन)। डी.पी.आर. विज्ञापन रिलीज़ करने तक ही अपनी जिम्मेवारी मानता था। इन विज्ञापन का भुगतान दिलवाने में डी.पी.आर. अपनी असमर्थता ही दिखाता था। अतः धीरे-धीरे कालान्तर में सरकारी विज्ञापनों की देनदारी करोड़ों में पहुंच गयी और जब राष्ट्रदूत इस बारे में बहुत हल्ला करता तो डी.पी.आर. डिपार्टमैंट को एक रिमाइन्डर भेज देता कि कृपया राष्ट्रदूत के इन बिलों का भुगतान करें। रिमाइन्डरों की कॉपी हमें दे दी जाती थी ताकि हम उन भुगतानों का पीछा करें (परस्यू करें)। पर जालौर से जैसलमेर, बांसवाड़ा से बाड़मेर तक फैले हजारों इंजीनियरों व अफसरों का अखबार कैसे पीछा करे। दूसरी ओर अन्य अखबारों को वो विज्ञापन रिलाज़ होते थे जिनका भुगतान डी.पी.आर. स्वयं ही करता था। उन विज्ञापनों के भुगतान अखबारों के दफ्तरों में स्वयं ही पहुंचा दिये जाते थे।

ऐसी असुविधाएँ व पिन प्रिक्स (पिन चुभाने वाली) रोजमर्रा की बातें थीं। पर शायद मु.मंत्री से मतभेद रखने का यह "जायज़" खामियाज़ा माना जाता था। लेकिन यह तपन केवल विज्ञापन तक ही सीमित नहीं रहती थी। राष्ट्रदूत के लेबर के सारे छोटे- बड़े मामले हाईकोर्ट तक जाकर ही खत्म होते थे, क्योंकि श्रम विभाग सरकारी महकमा था तथा लेबर कोर्ट का जज, रिटायर्ड न्यायाधीश, सरकार द्वारा नियुक्त होता था। उसका सरकार की ओर देखना कोई अनहोनी बात नहीं थी। अतः राष्ट्रदूत का हर लेबर सम्बन्धित मामला श्रम विभाग होते हुए लेबर कोर्ट में जाकर विपरीत आदेश पाता था, इसलिए हाइकोर्ट जाना लाजमी सा हो जाता था। पर इन मुकदमों के बावजूद हजारी बाबू जी को लोग बड़े आदर व श्रद्धा से देखते थे। इसका सजीव उदाहरण थी, राष्ट्रदूत में एक बार हुई लम्बी हड़ताल, जिसमें प्रिंटिंग प्रेस के सभी कर्मचारी, कम्पोज़िटर, मशीन मैन, चौकीदार आदि शामिल थे। सम्पादकीय विभाग व दफ्तर के लोग सम्मिलित नहीं थे स्ट्राइक में। जब सवा महीना होने को आया तो कुछ बेचैनी सी फैलने लगी हड़ताल पर गये कर्मचारियों में, क्योंकि महीने के अंत में तनख्वाह नहीं मिली थी। मैनेजमैंट से बात करके, काम पर लौटने की फुसफुसाहट शुरू हुई। जयपुर छोटा शहर था बात फैली तथा मु.मंत्री तक भी पहुंची। मु. मंत्री के प्रतिनिधि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार आर.के. मिश्रा को हड़तालियों के पास भेजा गया, पैसे लेकर यह संदेश देने कि, "वेतन की परवाह मत करो हम देंगे। एक महीने की तनख्वाह की राशी मैं लेकर आया हूँ। अगले महीने और आगे भी देते रहेंगे। पीछे मत हटना।" हड़तालियों ने पैसे रख लिये और रात भर सोच विचार कर सुबह पैसे वापस कर आये। प्रेस के हड़ताली कर्मचारी रात को सरयू नारायण हल्दिया, विज्ञापन विभाग के वरिष्ठ अफसर से मिले तथा मु.मंत्री की ओर से आया प्रस्ताव बताया। हल्दिया जी ने कहा "क्या तुम लोगों को हजारी बाबू से शिकायत है? क्या उनसे बात की? वे घर के, अपने राष्ट्रदूत परिवार के बड़े हैं। कुछ तकलीफ हो तो उन्हें बताओ। अब तक परिवार के बीच की बात है घर में निपटा लो। अगर बाहर वालों का हस्तक्षेप हुआ तो पता नहीं बात क्या रूख ले ले, और कहां जाकर रूके।" हल्दिया जी का परामर्श सबने स्वीकार किया और मु. मंत्री का एक और प्रयास विफल हुआ।

सदा "गैर मैत्रीपूर्ण" प्रशासन से घिरे होने के कारण, राष्ट्रदूत की अनूठी, पारदर्शी "मैनेजमैंट स्टाइल" विकसित हुई। क्योंकि, राष्ट्रदूत यदि कुछ चालाकी करना या "डण्डी" मारना अपनाता तो इन छिद्रों से, कवच भेदकर घायल करने का रास्ता सब सरकारें बहुत पहले चुन लेतीं। यह मौका नहीं देना ही, जीवित रहने का गुरूमंत्र था। पर एक अजीबोगरीब "कोरोलरी" (सहयोगी निष्कर्ष) यह भी था, इस स्टाइल का कि, कोई साथी, संगी नहीं बना, दिक्कत के समय बगल में खड़ा होने वाला। आदर था, बड़ाई मिली पर दोस्ताना नहीं। यह वैसी ही स्थिति थी कि, हर व्यक्ति साधु का आदर करता है तथा साधु बनने को अति सराहनीय कर्म आंकता है, परंतु साथ ही दिल से चाहता है, कि, उसका खुद का होनहार बच्चा तपस्या करने वन में न जाये। पड़ोसी के बालक का जाना ज्यादा अच्छा है।

> असुविधाएँ व पिन प्रिक्स (पिन चुभाने वाली) रोजमर्रा की बातें थीं। पर शायद मु.मंत्री से मतभेद रखने का यह "जायज़" खामियाज़ा माना जाता था। लेकिन यह तपन केवल विज्ञापन तक ही सीमित नहीं रहती थी। राष्ट्रदूत के लेबर के सारे छोटे- बड़े मामले हाईकोर्ट तक जाकर ही खत्म होते थे, क्योंकि श्रम विभाग सरकारी महकमा था तथा लेबर कोर्ट का जज, रिटायर्ड न्यायाधीश, सरकार द्वारा नियुक्त होता था। उसका सरकार की ओर देखना कोई अनहोनी बात नहीं थी।

लगभग सभी ने राष्ट्रदूत से जुड़ना तो इज़्ज़त व गर्व (ऑनर) की बात मानी, वैचारिक दोस्ती तो मानी, पर "अपराध" में शामिल होने वाला "एका" नहीं पनपा, प्रगाढ़ता नहीं उभरी। वैचारिक मैत्री सबसे पहले चटकती है, समय की संभावित मार के डर से या "परसीव्ड" लाभ की संभावना से। एक अजीब सिद्धान्त पनपा, हमारे दोस्त तो हमारे हैं ही, राष्ट्रदूत का उनसे क्या लेना-देना। पर हमारे दुश्मन राष्ट्रदूत के भी दुश्मन हैं। नतीजा यह निकला कि, राष्ट्रदूत से या उसके किसी कर्मचारी के लेखन से कभी न कभी "हर्ट" हुए, सत्ता में बैठे कृत संकल्प लोगों की संख्या निरन्तर बढ़ती गयी। पर, अखबार के चाहने वाले, आम पाठक व जनता की तादाद इन कृत संकल्पित लोगों से कहीं ज्यादा थी। अतः राष्ट्रदूत में जो छपता था और छपता है, उसका व्यापक असर होता था और होता है, और उसको (राष्ट्रदूत को) हानि पहुंचाने वाले व "इन्तकाम" लेने वाले तिलमिला कर रह जाते हैं।

> कभी "होस्टाइल" (शत्रुतापूर्ण) रवैये, पर सदा ही सरकार के "असहयोगी" रूख के कारण, राष्ट्रदूत को कभी सरकारी सुविधा व सुख भोगने की आदत नहीं पड़ी, चाहे सरकारी विज्ञापनों का किस्सा हो, या उन विज्ञापनों के भुगतान का।

किसी की वफादारी का आधार वह जुनून होता है, जो संघ से सम्बद्ध लोगों में, या वामपंथ के कट्टर अनुयायियों में होता है। दूसरा आधार होता है, वह आर्थिक सुख-सुविधा, जो, संस्था उस व्यक्ति को देती है, ज़रुरत व नीयत से ज्यादा। आर्थिक सुख-सुविधा देने का सामर्थ्य तो सरकार ने कभी बनने ही नहीं दिया। वैचारिक मतभेद, बाल की खाल निकालने का हुनर, शायद कभी भी वैचारिक एकता स्थाई होने नहीं देता। कुछ कम ही लोग हैं जो, व्यक्तिगत सम्बन्धों को वैचारिक मतभिन्नता से प्रभावित नहीं होने देते, जैसे "रैडिकल ह्यूमनिस्ट" विचारधारा के प्रवर्तक एम.एन. रॉय व हजारी बाबू की मित्रता। कुछ रिश्ते, आदर व सम्मान पर आधारित होते हुए भी, प्रगाढ़ता की स्थिति प्राप्त करते हैं। जैसे व्यासजी व हजारी बाबू का सम्बन्ध। या केवल शुद्ध दोस्ताना, जैसे रामधारी सिंह दिनकर व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री विनोदानन्द झा व बरकत साहब से हजारी बाबू की आत्मीयता।

> कुछ कम ही लोग हैं जो, व्यक्तिगत सम्बन्धों को वैचारिक मतभिन्नता से प्रभावित नहीं होने देते, जैसे "रैडिकल ह्यूमनिस्ट" विचारधारा के प्रवर्तक एम.एन. रॉय व हजारी बाबू की मित्रता। कुछ रिश्ते, आदर व सम्मान पर आधारित होते हुए भी, प्रगाढ़ता की स्थिति प्राप्त करते हैं। जैसे व्यासजी व हजारी बाबू का सम्बन्ध। या केवल शुद्ध दोस्ताना, जैसे रामधारी सिंह दिनकर व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री विनोदानन्द झा व बरकत साहब से हजारी बाबू की आत्मीयता।

ऐसे रिश्ते सबसे नहीं हो सकते, यह, शायद मजबूरी थी राष्ट्रदूत की। वो लोग खरे नहीं उतरे, जिनसे आशा नहीं थी कि वो मौके पर निराश करेंगे। जैसे पूर्व संपादक शिव पूजन त्रिपाठी व दिनेश खरे। इसलिए , जोधपुर के रंगरेली काण्ड, जिसमें उस समय के महारथी, पेट्रोल पम्प शृंखला के मालिक ताम्बी, कन्हैया लाल जैन, मुन्ना लाल गोयल आदि संलग्न बताये जा रहे थे, में जब त्रिपाठी जी की भूमिका संदिग्ध मानी गई, तो भारी आघात पहुँचा।

खरे साहब, बनारस के "आज" अखबार से राष्ट्रदूत में आये थे। एक प्रतिभाशाली अनुभवी पत्रकार थे तथा राष्ट्रदूत का सम्पादक बनने की योग्यता रखते थे। पर "मॉरल टर्पिट्यूड" (नैतिक परंपरा का उल्लंघन) का आरोप लगा था, स्थानीय अखबारों में, जैसे, दैनिक मशाल। यह क्षम्य हो जाता हजारी बाबू की ओर से, हालांकि, हजारी बाबू जयपुर के "कंज़रवेटिव व्यक्तित्व" से भली भांति परिचित थे।

लेकिन, इसी समय, खरे साहब ने राष्ट्रदूत को सुखाड़िया उन्मुख बनाना भी शुरू किया, बिना हजारी बाबू की सहमति के। यह त्रुटि भी शायद माफ हो जाती, हजारी बाबू की ओर से, क्योंकि लम्बी छूट देकर आदमी को बदलने में उनका विश्वास था। पर, उस वक्त, राष्ट्रदूत के मैनेजिंग एडिटर के रूप, काम देखने की जिम्मेवारी, छोटे भाई बनवारी बाबू को सौंपी जा रही थी, हजारी बाबू द्वारा। अमेरिका की कोलम्बिया युनिवर्सिटी से एम.बी.ए. अध्ययन करके लौटे बनवारी बाबू अखबार को भी कॉरपोरेट कंपनी की तरह चलाने का सोच रखते थे।

बनवारी बाबू ने लिखा-पढ़ी शुरू कर दी, अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत और फिर खरे साहब को बर्खास्त कर दिया। मुकद्मा चला सुप्रीम कोर्ट तक। राष्ट्रदूत की तरफ से अशोक सेन और खरे साहब की ओर से कृष्णा मेनन ने पैरवी की। मुकदमे का फैसला भी आया। पर जैसा कि इन बड़े मुकदमों में होता है, यह गूढ़ बात, कि कौन जीता और कौन हारा, जानने के लिए खुद का वकील होना जरूरी था।

धीरे-धीरे, सत्तर साल के इस सफर में व्यक्तित्व इतना कठोर हो गया कि, दोस्तों की मदद स्वीकार करने में अटपटा लगने लगा। सुखाड़िया शासन के समाप्त होने पर, जब परम मित्र बरकत साहब मु. मंत्री बने, तब दो बार मैत्रीपूर्ण सहायता का हाथ बढ़ाया उन्होंने, क्योंकि, पारदर्शिता की नीति के कारण राष्ट्रदूत की आर्थिक हालत किसी से छुपी हुई नहीं थी। बरकत साहब की सरकार ने राष्ट्रदूत की मदद करने की दृष्टि से राष्ट्रदूत की पुरानी "मोनो कम्पोज़िंग" मशीन खरीदने का प्रस्ताव भेजा गवरमैंट प्रैस के लिए। बाद में राष्ट्रदूत की गोधों के चौक की हवेली को "कोऑपरेटिव डिपार्टमैंट" के कॉलेज के लिये, किराये पर लेने की बात की। बरकत साहब ने हजारी बाबू को राज्य सभा की सीट का ऑफर भी भेजा, खादी घर के संचालक सचिव व रिश्तेदार, राधेश्याम जी के मार्फत। पर, हजारी बाबू "अन्कम्फर्टेबल" थे इन ऑफर्स से, जैसा कि इस शेर में वर्णित है:

"मेरे दाग़े दिल से है रोशनी,
इसी रोशनी से है ज़िन्दगी,
मुझे डर है ए मेरे चारागर,
ये चिराग़ तू ही बुझा न दे।"

राष्ट्रदूत एक जज़्बा है, एक जुनून है, एक सोच है, एक "थॉट" है। एक शेर है, जिसे दोहराया जा सकता है, जिसे नापसंद भी किया जा सकता है, पर, उसकी हस्ती मिटायी नहीं जा सकती। राष्ट्रदूत केवल मशीनें, कम्प्यूटर, बिल्डिंग नहीं है। उसे तंग तो किया जा सकता है, खत्म नहीं किया जा सकता, केवल प्रशासनिक दबावों से, भय से। पर, अगर कभी राष्ट्रदूत मिटा तो, अप्रासंगिक होने से मिटेगा और टीम के बिखरने से मिटेगा, क्योंकि :

> धीरे-धीरे, सत्तर साल के इस सफर में व्यक्तित्व इतना कठोर हो गया कि, दोस्तों की मदद स्वीकार करने में अटपटा लगने लगा। सुखाड़िया शासन के समाप्त होने पर, जब परम मित्र बरकत साहब मु. मंत्री बने, तब दो बार मैत्रीपूर्ण सहायता का हाथ बढ़ाया। पर, हजारी बाबू "अन्कम्फर्टेबल" थे इन ऑफर्स से

"मेरा अज़्म इतना बुलन्द है,
कि पराए शोलों का डर नहीं।
मुझे ख़ौफ़ आतिशे-गुल से है,
ये कहीं चमन को जला न दे।"

पर, पथभ्रष्ट होना भी मुश्किल है, क्योंकि जब कभी भी पग डगमगाए, हजारी बाबू की यादों ने हाथ थाम लिया:

"मेरे नसीब ने जब
मुझसे इंतकाम लिया,
कहाँ-कहाँ तेरी यादों ने
हाथ थाम लिया।"

राजेश शर्मा

PACIFIC UNIVERSITY

Empowering Youth and Promoting Quality Education Since 1997....

ADMISSION OPEN 2026-27

Glimpses of Major Student Achievements of 2025-26

Rahul Kumar Paliwal Pacific College of Basic and Applied Sciences, Qualified UPSC (IAS) AIR 141

Anuj K. Vishnoi Pacific College of Social Sciences and Humanities, Won Gold Medal in Wrestling in Khelo India

Pacific Institute of Management again won AIMA Simulation Management Games and became National Runner Up

Shreya Singhal Pacific School of Law, Qualified Gujarat Judicial Services with 09th Rank and became Judge

Rekha Chaudhary Pacific School of Law, Qualified Rajasthan Judicial Services with 12th Rank and became Judge

Veerbhadra Singh Pacific College of Physical Education, Selected in the Indian Handball Team for the Open Central Asian Handball Championship, Kazakhstan

and many more...

COURSES OFFERED

ENGINEERING
- B. Tech
- B. Tech (Lateral Entry)
  Artificial Intelligence & Machine Learning / Computer Science / Mining / Dairy Technology / Civil / Mechanical / Electrical
- M. Tech : All Streams

96729 70943

COMMERCE
- BBA / BBA (Hons.)
  Entrepreneurship / Business Analytics / Financial Markets / Digital Marketing /Global Business Management
- B.Com / B.Com (Hons.)
- BBA / B.Com with CMA (USA)
- M.Com

98872 62020

PHARMACY
- D. Pharma.
- B. Pharma.
- B. Pharma. (Lateral Entry)
- Pharma D.
- Pharma D. (Post Baccalaureate)
- M. Pharma.

76650 17717

SOCIAL SCIENCES & HUMANITIES
- B.A. / B.A. (Hons.)
- M.A.
- Master of Social Work (MSW)
- Bachelor in Library Science
- Master in Library Science

76650 17753

- Diploma in Journalism & Mass Communication
- BA/BA (Hons.) in Journalism & Mass Communication
- MA in Journalism & Mass Communication

96729 78123

YOGIC SCIENCE
- Certificate / Diploma / B.A. / B.A. (Hons.)
- PG Diploma
- M.Sc
- M.A.

76650 17752

POLYTECHNIC DIPLOMA
- Diploma Engineering
- Diploma Engineering (Lateral Entry)
  Computer Science / Mining / Civil / Mechanical / Electrical

95303 60191

MANAGEMENT
- MBA (Dual Specialization)
- MBA (Hospital Administration)
- MBA Business Analytics
- MBA Executive

96729 78034

DENTISTRY
- B.D.S.
- M.D.S.
- Diploma in Dental Mechanics & Hygienist

95878 94326

SCIENCE
- B.Sc. Biotechnology
- B.Sc. AI & Applied Data Science
- B.Sc. / B.Sc. (Hons.) : Physics, Chemistry, Mathematics, Botany, Zoology
- M.Sc. : Chemistry, Mathematics, Physics, Botany, Zoology

76650 17783

HOTEL MANAGEMENT
- Certificate / Diploma / B.Sc / B.Sc (Hons.) in Hotel Management
- Bachelor of Hotel Management & Catering Technology
- Master in Tourism Management

96729 78016

EDUCATION
- D. El. Ed.
- B. Ed.
- M. A. (Education)
- B. P. Ed.
- M. P. Ed.

96729 78033

LAW
- B. A. + LL.B.
- LL.B.
- LL.M.

76650 17754

COMPUTER SCIENCE
- B.C.A. / B.C.A. (Hons.)
- PGDCA
- M.C.A.
- M.Sc. (IT, Computer Science)

95878 92884

FIRE AND SAFETY
- Certificate / Diploma / PG Diploma
  Fire & Safety Management, Industrial Safety Management
- B.Sc. / B.Sc. (Hons.)
  Fire Technology & Industrial Safety Management

96729 70953

PHYSIOTHERAPY
- Bachelor of Physiotherapy (BPT)
- Master of Physiotherapy (MPT)

96729 70940

Ph.D.
- Available in All the Listed Streams*

9672978030

SCHOLARSHIP
UPTO 100% AVAILABLE*

- Social Welfare Scholarship (Govt.)
- Merit Scholarship
- Full Bright Scholorship
- Sports Scholorship

PLACEMENTS 2025-26

No. of Companies **290+**

Job Offer **3000+**

Highest Package **22 Lakh P.A.**

APPLY NOW

Free Coaching for UPSC/RPSC एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षाएँ

PACIFIC ACADEMY OF HIGHER EDUCATION AND RESEARCH UNIVERSITY

Pacific Hills, Pratapnagar Extension, Airport road, Debari, Udaipur-313024 Ph. : 0294-2665000, 9672970940, 7665017787, 7665017785 info@pacific-university.ac.in www.pacific-university.ac.in

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये सड़क हादसे में भाई-बहन सहित तीन की मौत

बुर्जा गांव के पास एक्सप्रेस-वे पर मिट्टी से भरे डंपर से ट्रक के पीछे से टकराने से हादसा हुआ

अलवर, (निसं)। जिले के बड़ौदामेव थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे में भाई-बहन सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा एक्सप्रेस-वे के चैनल नंबर 86/100 पर बुर्जा गांव के पास रात करीब एक बजे हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही एनएचएआई की एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बड़ौदामेव ले जाया गया। हालांकि चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू कर दी।

- तेज रफ्तार और जोरदार टक्कर के कारण ट्रक का केबिन बुरी तरह पिचक गया, जिससे तीनों बाहर नहीं निकल सके

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान आंसू सिंह (20) पुत्र कमल सिंह, सलोनी सिंह (18) पुत्री कमल सिंह और विकास कुमार (31) पुत्र अब्बल सिंह के रूप में हुई है। तीनों मूल रूप से जयपुर जिले के ग्राम टीगरिया के रहने वाले थे और वर्तमान में सांगानेर क्षेत्र में रह रहे थे। वाहन चालक विकास कुमार उत्तर प्रदेश के नगला साकित का निवासी बताया गया है।

परिजनों के अनुसार सलोनी सिंह फरीदाबाद में होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रही थी। उसका भाई आंसू सिंह उसे फरीदाबाद छोड़ने जा रहा था। विकास कुमार ट्रक चला रहा था। इसी दौरान बुर्जा गांव के पास एक्सप्रेस-वे पर आगे चल रहे मिट्टी से भरे डंपर से ट्रक पीछे से जा टकराया। तेज रफ्तार और जोरदार टक्कर के कारण ट्रक का केबिन बुरी तरह पिचक गया, जिससे तीनों बाहर नहीं निकल सके। सुबह करीब 10 बजे मृतकों के परिजन सीएचसी बड़ौदामेव पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिए।

सिंघाना में दूध के टैंकर में घुसी कार, दो महिलाओं की मौत, पांच गंभीर घायल

- सिंघाना थाना क्षेत्र में गाड़ाखेड़ा के पास हुआ सड़क हादसा, नूंह मेवात के बताए जा रहे हैं कार सवार
- हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर गाड़ाखेड़ा के पास झुंझुनूं-सिंघाना मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में वैगनआर कार सवार दो महिलाओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही सिंघाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे गाड़ाखेड़ा और भैसावता कलां के बीच सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि चिड़ावा की ओर से सिंघाना आ रही एक वैगनआर कार सामने चल रहे दूध के टैंकर में पीछे से जा घुसी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार में सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए राजकीय अस्पताल, चिड़ावा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में कार सवार सभी लोग हरियाणा के नूंह (मेवात) क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हालांकि, देर शाम तक मृतकों और घायलों की औपचारिक पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस उनकी शिनाख्त और परिजनों से संपर्क करने के प्रयास में जुटी हुई है। दोनों मृतक महिलाओं के शवों को केसीसी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव सुपुर्द किए जाएंगे।

हादसे के कारण झुंझुनूं-सिंघाना मार्ग पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतार लग गई। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वैगनआर और दूध के टैंकर को हटाकर गाड़ाखेड़ा चौकी पहुंचाया, जिसके बाद सड़क पर यातायात को सुचारू कराया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का आरोप

- पीटीआई के खिलाफ पॉक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

बीदासर, (निसं)। साण्डवा थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल की 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, 30 जुलाई को छात्रा स्कूल गई थी। दोपहर में आधी छुट्टी के दौरान आरोपी पीटीआई सहीराम दूसाद निवासी बैरासर ने छात्रा को इशारे से पास की गली में बुलाया। आरोप है कि वह छात्रा को बहला-फुसलाकर और दबाव बनाकर अपनी मोटरसाइकिल पर अपने घर ले गया, जहां उसने कमरे में बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया।

क्लास में छात्रा के न लौटने पर सहपाठियों की सूचना के बाद परिजनों ने खोजबीन शुरू की। दोपहर करीब 12:30 बजे छात्रा डरी-सहमी और घबराई हालत में घर पहुंची तथा परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाकर विरोध-प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस व शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश कर स्कूल का गेट खुलवाया।

मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए प्रकरण की जांच सुजानगढ़ के वृत्ताधिकारी (डीएसपी) दरजाराम बोस को सौंपी गई है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाने तथा न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि दर्ज एफआईआर के आधार पर निष्पक्ष जांच की जा रही है और तथ्यों की पुष्टि के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक को सांप ने काटा

अलवर, (निसं)। अलवर के टहला थाना क्षेत्र के थाना गांव में एक युवक को सांप ने पैर में डस लिया। चीख-पुकार सुनकर दौड़े परिजनों ने पहले तो सांप को मौके पर ही मार डाला, फिर युवक के साथ मरे हुए सांप को भी थैली में लेकर अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल पहुंचकर परिजनों ने डॉक्टर से कहा कि साहब इसी सांप ने दुर्गादास (30) को काटा है। हम इसे इसलिए साथ लाए हैं ताकि आपको पता चल सके कि यह जहरीला है या नहीं, और उसी हिसाब से सही एंटी वेनम दिया जा सके ताकि इलाज में कोई चूक न हो।

डॉक्टर ने कहा कि परिजनों की सजगता से दुर्गादास को समय पर इलाज मिल गया। जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में डॉक्टरों की टीम ने तुरंत युवक का उपचार शुरू किया। फिलहाल मरीज को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

कार्यालय नगर पालिका सीसवाली जिला बारां (राज.)
E-Mail Id - npsiswali@gmail.com

क्रमांक. न.पा.सी./2026-27/1275-1276 दिनांक - 27.07.2026

Corrigendum

कार्यालय नगर पालिका सीसवाली द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या नपासी/2026-27/1261-65 दिनांक 24.07.2026 के माध्यम से जारी निविदा डाउनलोड एवं अपलोड़ दिनांक 25.07.2026 से 04.08.2026 तक सांय 5 बजे तक है। संवेदक द्वारा ऑन-लाईन E-Proc पोर्टल पर टेण्डर/निविदा में भाग लेने के पश्चात् पालिका कोष में धरोहर, निविदा शुल्क, MD-RISL प्रोसेसिंग शुल्क जमा राशि व निविदा रिसिप्ट/रसीद/कॉपी मय फर्म जानकारी के साथ पालिका में दिनांक 05.08.2026 को प्रातः 11 बजे तक जमा करवाया जाना सुनिश्चित् करें अन्यथा संवेदक को निविदा में भाग लेने से वंछित कर दिया जावेगा। शेष शर्ते यथावत् रहेगी।

राज.संवाद/सी/26/8119 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका, सिवाना (जिला-बालोतरा)
क्रमांकः नपासि/विकास/2026/538 दिनांकः 16.07.2026

ई-निविदा सूचना सं 03/2026-27

नगर पालिका सिवाना क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यो हेतु क्रेन्द्र एवं राज्य सरकार के विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध संवेदकों से ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया से ऑनलाइन ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा संबंधी जानकारी व अन्य शर्ते पालिका कार्यालय नोटिस बोर्ड, पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर जरीये यूबीएन नं. DLB2627WSOB12047, 12049 द्वारा देखी जा सकती है तथा बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

प्रशासक नगर पालिका सिवाना — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सिवाना

राज.संवाद/सी/26/8112

30 लाख के बैंक गबन का मास्टरमाइंड गिरफ्त में

लालसोट, (निसं)। मंडावरी थाना पुलिस ने 30 लाख रुपये के बैंक गबन मामले में चार माह से फरार चल रहे एसबीआई बैंक शाखा मंडावरी के तत्कालीन उप प्रबंधक अशोक कुमार (36) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अलवर जिले के सालवाड़ी, थाना गंज खेड़ली का निवासी है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर गबन से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, परिवादी गिरिराज प्रसाद की शिकायत पर दर्ज मामले की जांच में सामने आया कि 13 नवंबर 2025 को बैंक के कैशियर विनोद कुमार मीणा ने फर्जी वाउचर तैयार कर तत्कालीन सहायक प्रबंधक अशोक कुमार से पास करवाया, जिसके बाद 23 लाख रुपये वीरेंद्र कुमार शर्मा के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। इसके बाद 20 नवंबर 2025 को दोबारा फर्जी वाउचर बनाकर 7 लाख रुपये अंकित कुमार मीणा के खाते में भेज दिए गए। इस तरह कुल 30 लाख रुपये का गबन किया गया। मामले में पुलिस ने 27 मार्च 2026 को कैशियर विनोद कुमार मीणा और संविदाकर्मी वीरेंद्र कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जबकि तत्कालीन उप प्रबंधक अशोक कुमार वारदात के बाद से फरार चल रहा था। मंडावरी थाना पुलिस ने लगातार तलाश और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आखिरकार चार महीने बाद आरोपी अशोक कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले में गबन से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संलिप्तता की भी गहन जांच जारी है।

बीकानेर में हिस्ट्रीशीटर के कब्जों को तोड़ा

बीकानेर, (निसं)। प्रशासन और पुलिस ने करमीसर में तीन जगहों पर सरकारी जमीन पर किए अतिक्रमण पर जेसीबी चलाकर उसे ढहा दिया। भूमाफियाओं ने बीडीए की करोड़ों रुपए की जमीन पर कब्जा कर रखा था जिसे मुक्त कराया गया। सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा ने बताया कि करमीसर में राजीव नगर के फ्रंट पर कब्जे किए गए थे। बताया जा रहा है कि अतिक्रमण हिस्ट्रीशीटर और हथियार तस्कर अमीन और हसन तथा एक अन्य व्यक्ति का बताए जा रहे थे। करीब 6 बीघा में किए गए अतिक्रमण तोड़ दिए गए और बीडीए की करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई है।

विदेश भेजने के नाम पर आठ लोगों से 60 लाख रुपए की ठगी

सीकर। सीकर में विदेश भेजने के नाम पर 60 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने 8 जनों को जर्मनी में नौकरी दिलाने के नाम पर रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित आठ जने जब पासपोर्ट लेकर जयपुर पहुंचे तो वीजा-टिकट फर्जी निकले। पीड़ितों ने जब आपस में संपर्क किया तो पता चला कि उन सबको एक ही एजेंट ने नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। पीड़ितों ने धोद पुलिस थाने में धोखाधड़ी कर रुपए हड़पने का रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

रिपोर्ट के अनुसार धोद निवासी सुखाराम, नरेंद्र सिंह, श्रवण कुमार, पीयूष थालौड़, हनुमान राम, गोपीराम, उम्मेदाराम और भंवरलाल ने एसपी को ज्ञापन दिया था। पीड़ितों का आरोप है कि संपत गढ़वाल ने उन्हें जर्मनी में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने सभी पीड़ितों से अलग-अलग खातों में लाखों रुपये ट्रांसफर करवा लिए और उन्हें दुबई के वीजा व एयर टिकट थमा दिए। जब सभी पीड़ित जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे, तो एयरलाइंस अधिकारियों ने जांच के बाद उनके वीजा और टिकट को फर्जी घोषित कर दिया। ठगी का अहसास होने पर जब पीड़ितों ने आरोपी के मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, तो उसका फोन बंद मिला। पीड़ित पीयूष ने बताया कि आरोपी विदेश में नौकरी के दौरान चोट लगने पर क्लेम तक दिलाने का वादा करता था। आरोपी ने केबीआर इंटरनेशनल कंपनी में जॉब लगवाने के नाम पर फर्जी ऑफर लैटर दिए थे। आरोपी ने पीड़ितों से गुड़गांव और दिल्ली के कई अकाउंट्स में पैसे डलवाए, जब बाद में जांच हुई तो उन बैंक अकाउंट्स में कुछ नहीं था। पीड़ितों ने अपने स्तर पर जांच करवाई तो म्यूल अकाउंट निकले। पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत के निर्देश पर धोद थानाधिकारी केदार मल ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच एएसआई पूर्णसिंह को दी गई है। पुलिस अब आरोपी के कॉल डिटेल और बैंक अकाउंट्स की डिटेल्स जुटाकर आरोपी की तलाश में जुटी है।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
अविप्रा

टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 23608952 दिनांक :- 29/07/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 20/2026-27

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि रु. 1633.33 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1-2) दिनांक 17.08.2026 एवं सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in, http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. : AJD2627SLOB00119, AJD2627WLOB00120

राज.संवाद/सी/26/8172 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
दिनांक :- 30/07/2026

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
e-Tender no. RSMM/CO/GGM (Cont)/Cont-14/2026-27 Dated 29.07.2026 UBN No. MML262SLOB00093	आरएसएमएमएल संस्थान के कॉरपोरेट कार्यालय, उदयपुर एवं इसके अधिन विभिन्न कार्यालयों पर अनुबंध के आधार पर सुरक्षा प्रहरी उपलब्ध कराने का कार्य। (निविदानुसार) कुल अनुमानित लागतः रू. 56.50 लाख, धरोहर राशिः रू. 1.13/- लाख, निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा वरि. प्रबन्धक (अनुबन्ध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/8231 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

पाली में एक करोड़ की शराब जब्त

पाली, (नि.सं.)। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मक्के की बोरियों की आड़ में तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब से भरा एक ट्रेलर जब्त किया है। पुलिस ने ट्रेलर में सवार सीकर और लाडनू निवासी दो युवकों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जब्त शराब की बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर ट्रांसपोर्ट नगर थाने के पास ओवरब्रिज के निकट एक ट्रेलर संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम ने संदेह होने पर ट्रेलर को थाने लाकर पूछताछ की। चालक ने ट्रेलर में मक्के की बोरियां भरी होने की जानकारी दी, लेकिन जब पुलिस ने तलाशी ली तो मक्के की बोरियों के पीछे बड़ी मात्रा में पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के कार्टन छिपाकर रखे मिले। शराब बरामद होने के बाद पुलिस ने ट्रेलर में मौजूद सीकर और लाडनू निवासी दो युवकों को हिरासत में ले लिया। फिलहाल ट्रेलर से शराब के कार्टन उतरवाने की कार्रवाई जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

किशोरी की मौत

मसूदा, (निसं)। मायला गांव में खेत पर कार्य कर रही एक किशोरी की जहरीले जीव के काटने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 14 वर्षीय टीना पुत्री रामनिवास अपनी माता नर्बदा के साथ खेत में कृषि कार्य कर रही थी। इसी दौरान किसी जहरीले जीव ने उसे काट लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे मसूदा चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर
Telephone No. 01512942447 E-mail ID- kums.pugalroad@rajasthan.gov.in

क्रमांकः-RajKaj 23609208 दिनांकः-24.07.2026

विज्ञप्ति

समस्त बैंक प्रबंधकों को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर के मण्डी प्रांगण में बैंक भवन निर्मित है। वर्तमान में डी.एल.सी दर के अनुसार भवन का किराया 89791/- रू. प्रतिमाह की दर से किराये पर दिया जाना है। प्रत्येक 5 वर्ष पश्चात नियमानुसार बी.एस.आर. की दर अनुसार अथवा मण्डी समिति/निदेशालय/राज्य सरकार के निर्देशानुसार किराये में वृद्धि हो सकेगी। अतः इच्छुक बैंक भवन किराये पर लेने हेतु अपना प्रार्थना-पत्र इस कार्यालय में 15 दिवस के अन्दर-अन्दर प्रस्तुत करें।

राज.संवाद/सी/26/8259 सचिव

अश्लील चैटिंग प्रकरण का दूसरा फरार शिक्षक गिरफ्तार

अजमेर/मांगलियावास, (निसं)। पीसांगन क्षेत्र के एक राजकीय विद्यालय में नाबालिग छात्राओं के साथ अश्लील चैटिंग और अनुचित व्यवहार के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी शिक्षक को पुलिस ने शुक्रवार शाम गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा जा चुका है।

जानकारी के अनुसार छात्राओं ने शिक्षकों के अनुचित व्यवहार की जानकारी अपने परिजनों को दी थी। इसके बाद अभिभावक विद्यालय पहुंचे और शिक्षकों के मोबाइल में कथित रूप से अश्लील चैट मिलने पर मामला गंभीर हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शिक्षकों को अस्पताल भिजवाया। बाद में परिजनों की शिकायत पर पीसांगन थाने में दोनों शिक्षकों के विरुद्ध पॉक्सो अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

सड़क हादसे में महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में नेशनल हाईवे-48 पर गोगा मोड़ के पास एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। हादसे में टेम्पो में सवार कई अन्य मजदूर घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब अहमदाबाद से उदयपुर जा रही टमाटर से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप ने मजदूरों से भरे टेम्पो को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन हाईवे पर पलट गए। टेम्पो में सवार मजदूरों को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें बिछीवाड़ा अस्पताल ले जाया गया। घायलों में धामोद निवासी रंगीला पत्नी राजेंद्र भगोरा की हालत गंभीर थी, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

जैसलमेर में ऊंट से टकराकर सेना की टाटा सफारी पलटी, मेजर की मौत

- हादसे में दो लेफ्टिनेंट भी घायल हो गये

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में भारतीय सेना के युवा अधिकारी मेजर हमजा आरिफ (26) की मौत हो गई, जबकि दो लेफ्टिनेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर थईयात आर्मी एरिया में रात लगभग 12:30 बजे हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेना की टाटा सफारी एसयूवी अचानक सड़क पर आए एक ऊंट से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन अनियंत्रित होकर चार से पांच बार पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सेना के जवान तत्काल बचाव कार्य में जुट गए।

घटना में वाहन चला रहे मेजर हमजा आरिफ गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके साथ सवार दो लेफ्टिनेंट भी घायल हुए। तीनों को तत्काल सेना के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मेजर हमजा आरिफ को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायल अधिकारियों का उपचार जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मेजर हमजा आरिफ मध्य प्रदेश के निवासी थे और उनकी शादी करीब एक माह पूर्व ही हुई थी। युवा अधिकारी के असामयिक निधन से सेना में शोक की लहर है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में सड़क पर अचानक ऊंट के आने को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। घटना ने एक बार फिर सीमावर्ती क्षेत्र की सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या और रात्रिकालीन यातायात सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राज0) फैक्स नं :- 0151-2226906, फोन नं :-0151-2226902, 0151-2226905, EMAIL ADDRESS :- nagarnigambikaner@gmail.com,Website :- bikanermc.org

क्रमांकः/अन्य राजस्व/2026-27/7113 दिनांकः 27.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27/अन्य राजस्व

नगर निगम बीकानेर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतू पजीकृत फर्म/संस्था/ सम्भरणकर्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अनुभवी हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है।

कार्य की अनुमानित लागत (राशि रूपये 15.00 लाख), निविदा प्राप्त करने की दिनांक/निविदा शर्ते इत्यादि का सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योंरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाइट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योंरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।

1. UBN Code :- DLB2627WSOB12034

राज.संवाद/सी/26/8151 आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.
(A Government of Rajasthan Undertaking)

CORRIGENDUM

NIB Number : 15/2026-27 | UBN : RSI2627SLOB00014

Bids are invited for the Procurement of Services of "Strategic Business Promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services at ICD, Bhilwara from the eligible and experienced bidders.

As per suggestions received in Pre-Bid meeting held on 08.07.2026, Bid document have been amended as per Pre-bid minutes. Therefore, the bid submission date has been extended till 2.00 PM on 05.08.2026. The Bid will be opened on 05.08.2026 at 5.00 PM. Bidder can now submit their bids as per revised dates mentioned in this corrigendum.

Other particulars of the bid remains same and may be viewed on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and the official website of RSIC i.e. https://www.industries.rajasthan.gov.in/rajsico.

Raj.Samwad/C/26/8243 Managing Director

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, उदयपुर
E-mail SEWDSC.UDAIPUR@RAJASTHAN.IN

क्रमांक : एफ ()/ निविदा/लेखा/2026-27/1236 दिनांक : 29.07.2026

ई निविदा सूचना 42-50/2026-27

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.3 परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत उदयपुर जिले के विभिन्न ब्लॉक (9 पैकेज) में उत्पादन / जलठाहण विकास कार्यो के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 530.22 लाख रुपये दिनांक 07.08.2026 को शाम 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती हैं। बोलियों से संबन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते है।

यूबीएन संख्या : WSC2627WSOB01286, WSC2627WSOB01287, WSC2627WSOB01288, WSC2627WSOB01290, WSC2627WSOB01291, WSC2627WSOB01292, WSC2627WSOB01293, WSC2627WSOB01294 WSC2627WSOB01295

(अनिल सनाढ्य) अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग प्रतापनगर, उदयपुर

DIPR/C/13402/2026

राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान
(द्वितीय तल, विकास खण्ड, सचिवालय, जयपुर-302005)

email- secraj@rajasthan.gov.in & secrajasthan@gmail.com, FAX 0141-2227280, 2227072

क्रमांकः प.3 (48) / स्टोर / रानिआ/2026-27/5117 दिनांकः 23.07.2026

नीलामी निविदा संख्या 04/2026-27

राज्य निर्वाचन आयोग, जयपुर राज., में नकारा / अनुपयोगी / अप्रचलित सामानों (ई-वेस्ट) की नीलामी दिनांक 13.08.2026 को दोपहर 3.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आयोग कार्यालय के द्वितीय तल पर खुली बोली के माध्यम से नीलामी की जायेगी। नीलामी से संबंधित विवरण वेबसाइट https://sppp.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय की वेबसाइट https://sec.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.स.	नीलामी निविदा संख्या	UBN No.
1	04/2026-27	SEC2627GLOB00004

(राजेश वर्मा) सचिव राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर

DIPR/C/13149/2026

कार्यालय नगर निगम, जोधपुर
पॉलीटेक्निक कॉलेज रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर

ceo_nnj@rediffmail.com 02912651464

क्रमांकः- विकास /जॉन/तृतीय/2026-27/220 दिनांकः- 27.07.2026

:: ई-निविदा सूचना संख्या ::

(UBN No. DLB2627WSOB12051)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcj पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/8279 अधिशाषी अभियंता नगर निगम जोधपुर

कार्यालय नगर पालिका छबड़ा जिला बारां (राज0)
क्रमांक :- नपा0छ0/निर्माण/2026/3916 दिनांक :- 29/07/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 15/2026-27

नगरपालिका छबड़ा द्वारा अनुमानित 48.00 लाख रूपये की लागत से विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के "A""AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई- निविदा पद्वति ये निम्नानुसार ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है संवेदक निविदा प्रपत्र ईप्रोक्युरमेंट प्रकिया में www.sppp.rajasthan.gov.in, eprocruement.gov.in पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

UBN No. : DLB2627WSOB12464

राज.संवाद/सी/26/8196 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबड़ा

सीकर में गर्भवती महिला की चाकू से गला काटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

- महिला को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया था, जहां शुक्रवार को तीसरे दिन इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया
- खून बहने के कारण महिला के गर्भ में पल रही छह महीने की बच्ची की भी पेट में ही मौत हो गई थी

सीकर। सीकर में भाई के डांटने पर गुस्साए पड़ोसी ने घर में सो रही एक गर्भवती महिला का चाकू से गला काट दिया था। आरोपी ने महिला के हाथ-पांव पर भी चाकू से कई वार किए थे। खून बहने के कारण महिला के गर्भ में पल रही छह महीने की बच्ची की भी पेट में ही मौत हो गई थी। महिला को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया था, जहां शुक्रवार को तीसरे दिन इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने आरोपी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार आरोपी का कुछ दिन पहले महिला के साथ झगड़ा हुआ था। महिला का पति और आरोपी का भाई साथ में काम करते हैं। महिला के पति ने आरोपी के भाई से झगड़े की शिकायत की थी। इसके बाद आरोपी को भाई ने डांट दिया, जिससे वह नाराज हो गया। मामला धोद थाना इलाके के सरवड़ी गांव का है।

सीकर एसपी प्रवीण नायक ने बताया कि धोद थाना इलाके में 28 जुलाई को 6 महीने की गर्भवती प्रियंका (25) अपने 3 साल के बेटे के साथ घर पर थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला सुरेश सैनी वहां आया और उसने चाकू से प्रियंका का गला काट दिया। आरोपी ने महिला के हाथ और पैरों पर भी चाकू से वार किए। वारदात के करीब 10 मिनट बाद जब प्रियंका के पिता प्रहलाद वहां पहुंचे, तो उन्होंने बेटी को खून से लथपथ देखा और तुरंत एसके अस्पताल में भर्ती कराया।

एसपी ने बताया कि 24 घंटे तक प्रियंका का सीकर में इलाज चला, लेकिन शरीर से अत्यधिक खून बह जाने और पेट में पल रही 6 महीने की मासूम बच्चे की मौत होने के कारण उसकी हालत बिगड़ती गई। कोई सुधार न होने पर बुधवार को उसे जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसपी ने बताया कि जयपुर में भी प्रियंका की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। उसे जो ब्लड चढ़ाया जा रहा था, वह चोटों के कारण बाहर निकल रहा था और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल नहीं हो पा रहा था। पेट में बच्चे की मौत से फैले संक्रमण और खून बहने की वजह से शुक्रवार सुबह करीब 11:15 बजे इलाज के दौरान प्रियंका ने दम तोड़ दिया।

एसपी ने बताया कि आरोपी सुरेश सैनी का प्रियंका से झगड़ा हुआ था, जिसकी शिकायत प्रियंका ने अपने पति से की। प्रियंका के पति ने महाराष्ट्र में साथ काम करने वाले सुरेश के भाई से इसकी शिकायत की। भाई ने जब सुरेश को डांटा, तो उसने प्रियंका पर हमले की प्लानिंग बनाई। उसने गांव के ही एक हलवाई से चाकू लिया और 28 जुलाई को मौका पाकर प्रियंका पर हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी अपने घर जाकर कपड़े बदलकर फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने उसे सीकर से ही गिरफ्तार कर लिया। प्रियंका अपने मामले में पिछले 3 महीने से पीहर (मायके) में रह रही थी। प्रियंका की मौत के बाद अब पुलिस इस केस में हत्या (मर्डर) की धारा जोड़ेगी। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस थाने के घेराव की चेतावनी दी है।

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राज0)
क्रमांक : नपजा/विकास/2026/2799 दिनांक : 24.07.2026

:: निविदा सूचना 11/2026 ::

यत् नगर परिषद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य हेतु स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान जयपुर व राजस्थान प्रदेश में अन्य नगरीय निकायों में पंजीकृत सभी संवेदक अपनी श्रेणी अनुसार तथा अन्य विभागों में पंजीकृत ठेकेदार जो ए अथवा एए श्रेणी में पंजीकृत हैं। (पंजीकरण नियम Appendix XVI (Rules 334) Sec II.2 के अनुसार) निर्धारित प्रपत्रा में E-Procurement प्रकिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड व अपलोड एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

Total Work	03 work
Total Amount	50.95 Lac
Nib Code	DLB2627A4824

राज.संवाद/सी/26/8277 आयुक्त नगर परिषद, जालोर

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा
महाराव भीमसिंह मार्ग, कबीर सर्किल के पास, कोटा

क्रमांक : एफ ( ) सेट/को.वि.को/2026/116 दिनांक : 31.07.2026

राज्य पात्रता परीक्षा (SET)-2026 अधिसूचना - 05/2026

राज्य पात्रता परीक्षा (SET)-2026 हेतु आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 10 अगस्त, 2026 की जाती है। अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.uok.ac.in** का अवलोकन करें।

समन्वयक

राष्ट्रदूत के 76वें स्थापना दिवस पर सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाईयां और शुभकामनाएं

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री-भारत सरकार

अमित शाह
गृहमंत्री-भारत सरकार

मदन राठौड
प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा

भजनलाल शर्मा
मुख्य मंत्री-राजस्थान सरकार

स्वच्छता, पर्यावरण तथा जल संरक्षण व जल संचय के बिना राष्ट्र की उन्नति एवं विकास संभव नहीं

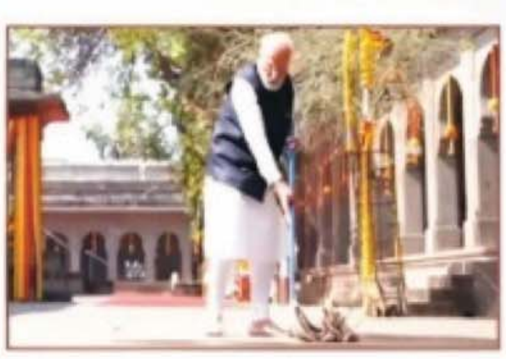

स्वच्छता अपनाओं
बीमारी भगाओं

पानी बचाना होगा हर घर में
वाटर हार्वेस्टिंग लगाना होगा ।

वृक्ष लगाओ, देश सुरक्षित बनाओं

स्वच्छता, पर्यावरण, जल संचय
व जल संरक्षण अपनाये

आओं हम सब मिलकर राजस्थान को
स्वच्छ-हराभरा जल युक्त
बनाने का संकल्प लें ।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

के.के. गुप्ता

ब्रांड एंबेसडर- स्वच्छ राजस्थान (शहर) राजस्थान सरकार
समन्वयक- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राजस्थान सरकार

भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ डूंगरपुर का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

- **स्काउट गतिविधि से होगा विद्यार्थियों में अनुशासन और संस्कार का विकास**

डूंगरपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ डूंगरपुर का वार्षिक अधिवेशन शहीद कालिया मनात राजकीय उमा विद्यालय देवल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अमृतलाल कलाल, प्रकाश पंडवाला, विशिष्ठ अतिथि सीओ स्काउट भाविक सुथार, रतन डामोर मैडम रहे। स्वागत उदबोधन प्रधानाचार्या प्रकाश पंडवाला द्वारा किया। स्थानीय संघ सचिव भेरूलाल कटारा ने वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया कमीशनर नानालाल अहारी ने स्काउटिंग की योग्यता अभिवृद्धि पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम मे भूपेंद्र जैन, डॉ. ललित बरंडा, लीलाराम गामोठ ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम मे स्काउटिंग योग्यता में अभिवृद्धि करने वाले साथी तुलसीराम खराडी, देवराम रोत का प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित किया। अधिवेशन मे डूंगरपुर-देवल ब्लॉक के समस्त पीईईओ के स्काउटर-गाइडर ने भाग लिया। पंजीकरण कार्य मे धर्मेंद्र अहारी, तुलसीराम दीपशिखा गरासिया, मनीष मईडा ने सेवा दी। सुखदेव भाई राजकीय विद्यालय पुनाली मे दोवडा का ब्लॉक का अधिवेशन भी सम्पन्न हुआ, जिसमे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य दीपिका जोशी, मुख्य अतिथि गोविन्द सिंह विशिष्ट अतिथि अर्जुनलाल रहे। कार्यक्रम का संचालन नानालाल अहारी ने किया आभार चंद्रशेखर डूंगरपुर ने व्यक्त किया।

ब्लॉक वाइज खेल आवंटन की बैठक

डूंगरपुर। जिला खेल आवंटन कार्यक्रम मुख्य अतिथि शिक्षा अधिकारी माध्यमिक डूंगरपुर नीरज जोशी एवं नरेंद भट्ट, सागवाडा की अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी दीपक उपाध्याय एवं सभी ब्लॉक के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के साथ बैठक में ब्लॉक वाइज खेलों को आवंटन किया गया। स्वागत रस्म खेल प्रभारी भोगीलाल कलाल ने किया। वार्ता कार विक्रमसिंह साबला, विमल साद एसीबीईओ डूंगरपुर रहे। इसमें निम्नानुसार खेलों का आवंटन किया गया है ।

भुवनेश्वर संकुल की संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

डूंगरपुर। बिछीवाडा विद्यानिकेतन माध्यमिक विद्यालय बिछीवाडा में शुक्रवार को विद्या भारती की प्रान्त एवं जिला योजनानुसार संकुल स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला भुवनेश्वर संकुल की आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ मां भारती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया।दीप मंत्र एवं सरस्वती वंदना के पश्चात उद्घाटन सत्र में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय कल्ला जी सम्प्रदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत महेंद्र सिंह चौहान उपस्थित रहे। इसके बाद प्रथम सत्र में आधारभूत विषय की कार्ययोजना का प्रतिवेदन विषय प्रमुखो ने किया। शारीरिक प्रमुख शंकरलाल भगोरा ने शारीरिक के बारे में जानकारी दी योग में संजय यादव ने योग की उपादेयता की जानकारी संगीत में रेणु जैन कनबा ने वन्दना की जानकारी नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा में डिम्पल जैन कनबा ने संस्कृत शिक्षा में बाबूलाल यादव ने जानकारी शिशु वाटिका प्रभारी भानू त्रिवेदी ने शिशु वाटिका की जानकारी कौशल विकास की जानकारी लक्ष्मी नायक ने वैदिक गणित में मनोज कनबा ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राखी प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

उदयपुर। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद कार्यालय में आयोजित नम्रता कौशल विकास केंद्र द्वारा 'राखी प्रदर्शनी' का शुभारंभ मंगलवार को गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन महारानी साहिबा निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने किया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरामानी विजयलक्ष्मी (कैट), सीमा जी(लघु उद्योग भारती) सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का परिचय डॉ. राधिका लढा ने देते हुए कमली ट्राइब्स एवं राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद द्वारा वनवासी क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। अपने उद्बोधन में महारानी साहिबा निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने कहा कि राजपरिवार और वनवासी समाज का संबंध सदैव आत्मीय रहा है। उन्होंने बताया कि उनका वनवासी समाज से विशेष जुड़ाव रहा है तथा वनवासी बहनों द्वारा तैयार किए जा रहे हस्तनिर्मित उत्पाद अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि उनकी कला और परंपरा को भी नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने इस अभियान को हरसंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन देने का आश्वासन भी दिया। कैट की प्रतिनिधि विजयलक्ष्मी ने कहा कि कमली ट्राइबस का कार्य प्रेरणादायी है। उन्होंने भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर भी इन उत्पादों को मंच उपलब्ध कराने तथा विपणन के नए अवसर उपलब्ध कराने का विश्वास दिलाया। लघु उद्योग भारती की सीमा जी सहित अन्य अतिथियों ने भी वनवासी बहनों के कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

भविष्य में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रदर्शनी के दौरान महारानी साहिबा ने सभी बहनों से आत्मीयता से संवाद किया, उनके साथ व्यक्तिगत रूप से फोटो खिंचवाए तथा प्रत्येक स्टॉल का अवलोकन किया। उनका अत्यंत सरल, सादगीपूर्ण एवं विनम्र व्यवहार सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं बहनों के लिए प्रेरणादायी रहा।

उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित राखियों एवं अन्य उत्पादों की विशेष सराहना करते हुए बताया कि वे पिछले पांच वर्षों से कमली ट्रस्ट द्वारा निर्मित राखियाँ ही उपयोग करती आ रही हैं।

कार्यक्रम में राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के पदाधिकारी प्रदेश संगठन मंत्री जगदीश कुलमी हररतन डामोर सह संगठन मंत्री, वीरेन्द्र प्रकाश पंचोली महामंत्री, रमेश्चंद्र मुदडा कोषाध्यक्ष, गोपल लाल कुमावत संरक्षक, कार्यकर्ता, दिनेश बम कोषाध्यक्ष वनांचल शिक्षा समिति, घेवरचंद समिति व्यवस्था प्रमुख, बप्पारावल जाठाति संस्थान के अध्यक्ष भंवरलाल शर्मा,राजेंद्र प्रकाश शर्मा कोषाध्यक्ष, कमली ट्रस्ट से जुडी बहनें एवं बडी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिछीवाडा में ट्रॉमा सेंटर की मांग पर कांग्रेस का प्रदर्शन

डूंगरपुर। जिले के बिछीवाडा में नेशनल हाईवे 48 पर प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर के निर्माण की मांग को लेकर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिछीवाडा एसडीएम कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने ट्रॉमा सेंटर के लिए आवंटित भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने और निर्माण कार्य तुरंत शुरू करने की मांग की। उन्होंने प्रशासन को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है, चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में काम शुरू नहीं हुआ तो बडा आंदोलन किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर की स्थापना से क्षेत्रवासियों को दुर्घटनाओं और आपातकालीन स्थितियों में तत्काल उपचार मिल सकेगा। हालांकिए भूमि पर अवैध अतिक्रमण के कारण यह परियोजना लंबे समय से अटकी हुई है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि सात दिन के भीतर सरकार और प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गयाए तो वे क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर उपखंड कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना देंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस प्रदर्शन में जिला कांग्रेस सचिव लक्ष्मीचंद यादव, एससी प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष रमण भाई यादव, ब्लॉक अध्यक्ष दीक्षांत पाटीदार, बिछीवाडा मंडल अध्यक्ष संजय जोशी, यूथ कांग्रेस डूंगरपुर विधानसभा अध्यक्ष पवन गमेती, अजित लबाना।

स्वस्थ पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं: प्रो. डागा

उदयपुर। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय एवं प्रकृति रिसर्च सोसायटी के साझे में शुक्रवार को इंस्टीटयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी तथा कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर परसिर में पौधरोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान सैकड़ों छायादार एवं फलदार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रकृति शोध संस्थान के संस्थापक प्रो पीआर व्यास ने स्वागत उदबोधन में प्रकृति संरक्षण के लिए चलाए जा रहे हरित धरती अभियान में जुडने का आव्हान किया। समाज में पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को प्रकृति संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जा सकता है। प्रो व्यास ने बताया कि विगत दो सालों में संस्थान ने वृक्षारोपण, नदियों को प्रदूषण रहित करने का अभियान चलाया गया है, जिसमें अलकनंदा, भागीरथी, मंदाकिनी, साबरमती, शिप्रा, आयड व बनास आदि नदियों पर संस्थान से जुडे प्रकृति स्वयंसेवक कार्य कर रहे हैं। वृक्षारोपण, अभियान के क्रम में विवि परिसर में यह अभियान चलाया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सुविवि के कुलगुरु प्रो कैलाश डागा ने प्रकृति के प्रति सकारात्मक रूख रखने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। इसमें वायु, जल, भूमि, वनस्पति, जीव जंतु व प्राकृतिक संसाधन शामिल है। स्वस्थ पर्यावरण के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकी है। कार्यक्रम में सुविवि के पूर्व कुलगुरू प्रो आईवी त्रिवेदी ने कहा कि यदि हम आज से ही छोटे छोटे कदम उठाए, तो आने वाली पीढियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित पर्यावरण प्रदान कर सकते हैं। प्रो हनुमान प्रसाद, ने अतिथियों का स्वागत किया तथा इंजीनियरिंग परसिर में 51 फलदार पौधरोपण की आवश्यकता एवं उसकी महत्व पर विशेष बल दिया। अभियान में सतीश श्रीमाली, यासिन पठान रजिस्ट्रार डॉ वि.सी. गर्ग, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ मुकेश बारबर, प्रो दरियावसिंह चूंडावत प्रो एमके जैन, प्रो सीमा जालान, डॉ विष्ण शंकर पालीवाल, , डा. किरण मीणा, हिमांशु भटट, डॉ मुनमुन, डॉ अंजू व्यास आदि उपस्थित थे।

गांधी के दिखाये मार्ग का अनुसरण करने की जरूरत - खड़िया

बांसवाड़ा महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान की ओर से डायलाब रोड स्थित भारतीय विद्या मंदिर के रामानंद सभागार में महात्मा गांधी वर्तमान और भविष्य विषयक विचार गोष्ठी कुशलगढ़ विधायक रमिला खड़िया के मुख्य आतिथ्य, रमेशचंद्र पंड्या की अध्यक्षता तथा संस्थान के राज्य स्तरीय कन्वीनर श्याम सुंदर जोशी, रोहित शर्मा, एडवोकेट कृष्णकांत उपाध्याय, कन्हैयालाल पारगी एवं कांठोस पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह सिसोदिया के विशिष्ट आतिथ्य में हुई। मुख्य अतिथि विधायक खड़िया ने कहा कि आज जरूरत महात्मा गांधी के दिखाये मार्ग का अनुसरण करने की है अहिंसा और सत्याठाह के माध्यम से ही हमने देश को आजाद करवाया आज के हालात में महात्मा गांधी का दिखाया मार्ग ही प्रासंगिक होगा। राज्य स्तरीय कन्वीनर श्याम सुंदर जोशी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से संस्थान द्वारा भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रम की रुपरेखा से अवगत कराते हुए कहा कि हमें हर स्तर पर कुछ न कुछ कार्यक्रम करने चाहिए सभी। संभागीयों से परिचय के पश्चात उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का आ ान करते हुए कहा कि गांधी दर्शन को गांव-गांव तक पहुंचाने की जरूरत है और यह कार्य गांधीवादी ही कर सकते हैं। जिला संयोजक रमेश चंद्र पंडया ने कहा कि हाल ही में जंतर-मंतर पर जेन-जी ने गांधी के मार्ग पर चलकर आंदोलन किया जिसके सुखद परिणाम प्राप्त हुए। गोष्ठी में सामाजिक कार्यकर्ता रजनीकांत खाबिया, एडवोकेट केशव लाल निनामा ने भी विचार व्यक्त किये। संचालन मनीष देव जोशी ने किया जबकि आभार भारत दोसी ने माना। इधर संस्थान के तत्वाधान में संस्थान के प्रदेश कन्वीनर श्यामसुंदर जोशी मुख्य आतिथ्य तथा रोहित शर्मा और शायर सिराज नूर के विशिष्ट आतिथ्य में काव्य गोष्ठी हुई। गोष्ठी में शायर सिराज नूर ने गजल दुखियों के रज के साथ गांधीजी आप है भारत के जान निसार गांधी जी आप है, शायर जहिर आतिश ने थोडी सी आंच आ रही है सियासी स्वभाव से..., शायर एजाज अकलम ने गजल अब कुछ ऐसी हुकमरान की हुकूमत आ गई..., कवि अशोक मदहोश ने कविता मुझे बहुत सुहानी लगती है,, कवि उत्सव जैन ने गांधी का होना जरूरी है, कवि नरेंद्र नंदन ने वागडी कविता फाटी गुदडी पर हुता फाटा सेनका पेरता, शायर तहसीन रजा ने जिस व्यक्ति ने हमको जीना सिखाया, शायर असलम खान ने वतन से प्यार का इजहार जरूरी है, रमेश चंद्र पडया ने आदमी कविता के अतिरिक्त बाल कवि बैरागी का गीत, भारत दोसी ने कहां खो गया गांधी का भारत एवं शब्बीर जमाली ने भावपूर्ण शब्दों में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। संचालन नरेंद्र नंदन ने किया। प्रारंभ में कवियों का स्वागत रमेश चंद्र पडया और राज्य कनविनर श्याम सुंदर जोशी ने किया। संचालन कवि नरेंद्र नंदन ने किया। इस अवसर पर मोहम्मद रफीक, साजिद नायक, संईद परवाना आदि मौजूद रहे।

देवगढ़ ग्रामीण सेवा शिविर में 14 आवासीय पट्टों का वितरण

प्रतापगढ़। राजस्थान सरकार के जनकल्याणकारी अभियान के तहत ठााम पंचायत देवगढ़ में आयोजित ठाामीण सेवा शिविर में 14 आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। शिविर में 2 जन्म प्रमाण पत्र, 1 विवाह प्रमाण पत्र तथा वीबी रामजी योजना के अंतर्गत 5 जॉब कार्ड भी जारी किए गए।

शिविर के दौरान ठाामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर विकास अधिकारी राकेश कुमार निनामा, नायब तहसीलदार श्याम लाल मीणा, ठााम विकास अधिकारी गौरव सहाय मीणा, वरिष्ठ सहायक रामचन्द्र मीणा, रामप्रसाद मीणा, गिरदावर सतुराम मीणा, पटवारी श्यामा कुमारी मीणा, नागेश मेघवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में ठाामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने राज्य सरकार की पहल की सराहना करते हुए शिविर को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बताया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिले में ठाामीण सेवा शिविर-2026 की निरंतरता बनाए रखते हुए जिले के विभिन्न ब्लॉकों की ठााम पंचायतों में फॉलोअप ठाामीण सेवा शिविर व शेष रही ठााम पंचायतों में ठाामीण सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

जारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 अगस्त को प्रतापगढ़ की बरोठा, धमोत्तर की देवगढ़, पीपलखूंट की जामली, सुहागपुरा की मोटीखेड़ी, अरनोद की कोटड़ी, दलोट की जीरावता, छोटीसादड़ी की कालाकोट व ढावटा तथा धरियावद की मुंगाणा व नाड़ ठााम पंचायत में फॉलोअप ठाामीण सेवा शिविर आयोजित होंगे।

पड़ासली क्षेत्र को मिली बेहतर संपर्क सुविधा;पुठिया-कनावदा सड़क का लोकार्पण

राजसमंद। विधायकदीप्ति किरण माहेश्वरीने ठााम पंचायत पडासली क्षेत्र में जिला खनिज प्रतिष्ठान कोष(डीएमएफटी)योजना अंतर्गत90लाख की लागत से निर्मित पुठिया से कनावदा तक सडक का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ठाामीण क्षेत्रों में मजबूत सडक नेटवर्क विकास की आधारशिला है। राज्य सरकार आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से गांवों को बेहतर संपर्क उपलब्ध कराने और आमजन के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि यह सडक क्षेत्रवासियों के लिए आवागमन को सुगम,सुरक्षित एवं तेज बनाएगी तथा गांवों को शहरी क्षेत्रों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने बताया कि सडक निर्माण से ग्रामीणों,किसानों,विद्यार्थियों,महिलाओं तथा अन्य नागरिकों को दैनिक आवागमन में बडी सुविधा मिलेगी। साथ ही कृषि उपज के परिवहन, एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी अधिक सुलभ होगी। इस अवसर पर पंचायत समिति के जनप्रतिनिधि,मंडल पदाधिकारी, विभागीय अधिकारी, मातृशक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने ग्रामीणों से विभिन्न स्थानीय विषयों पर सार्थक संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी ली । उपली मियारी में विस्तारित सामुदायिक भवन का उद्घाटन,सामाजिक गतिविधियों को मिलेगा नया कें राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने ठााम पंचायत देवपुरा उपली मियारी स्थित चारभुजा मंदिर के पास विधायक विकास निधि से निर्मित सामुदायिक भवन विस्तार कार्य का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम 18 अगस्त को

डूंगरपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के छठे वर्ष पर 18 अगस्त 2०26 को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ राष्ट्रीय, शपथ कार्यक्रम आयोजित कराये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैए जिसमे जिला नॉडल अधिकारीए ब्लॉक नोडल अधिकारी निर्देशों की पालना सुनिश्चित करेंगे। 18 अगस्त 2०26 को जिलाए ब्लॉक सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, निजी संस्थानों, सार्वजनिक संस्थानों ।

विश्व स्तनपान सप्ताह 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाएगा

- **स्तनपान को बढावा देने के लिए जिलेभर में होंगे जागरूकता कार्यक्रम**
- **स्तनपान शिशु मृत्यु दर कम करने, कुपोषण की रोकथाम करने पर कार्य होगा**

प्रतापगढ़। शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और समुचित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिलेभर में 1 से 7 अगस्त 2026 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों तथा ठााम स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं जनसंपर्क गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम जीवन की सतत एवं स्वस्थ शुरुआत के लिए स्तनपानरू जो प्रभावी है, उसे और सशक्त बनाएं निर्धारित की गई है। अभियान के दौरान जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू कराने, छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने तथा विटामिन-ए अनुपूरण को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जीवराज मीणा ने बताया कि जिला स्तर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से स्तनपान के महत्व पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। एमसीएचएन दिवस, ठााम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, ठााम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति तथा ग्राम पंचायत बैठकों के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को स्तनपान संबंधी आवश्यक जानकारी दी जाएगी। साथ ही आशा, एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर संपर्क कर स्तनपान के लाभों के बारे में जागरूक किया जाएगा।

जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जगदीप खराड़ी ने बताया कि स्तनपान शिशु मृत्यु दर कम करने, कुपोषण की रोकथाम, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभियान के दौरान आयोजित सभी गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाएगी।

पंचायती राज एव निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस की बैठक संपन्न

राजसमंद। आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज चुनाव-2026 को लेकर जिला कांठोस कमेटी की ओर से शुक्रवार को शहर स्थित चौमुखा महादेव मंदिर प्रांगण में संगठनात्मक एवं चुनावी रणनीति को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रभारी जगदीश जांगिड़ के मुख्य आतिथ्य एवं जिला कांठोस अध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह चौहान की अध्यक्षता एवं सह प्रभारी असरार अहमद , पूर्व जिलाध्यक्ष हरिसिंह राठौड, पूर्व जिला प्रमुख नारायण सिंह भाटी,पूर्व विधायक सुदर्शन सिंह रावत के सानिध्य में बैठक आयोजित की गई । बैठक में संगठन विस्तार, चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क अभियान तथा आगामी नगर निकाय एक पंचायती राज चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने और चुनाव की तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आ ान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी जगदीश जांगिड ने कहा कि आने वाले समय में पंचायती राज एवं नगर निकायो के चुनाव होने से पूर्व हमे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा , कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने तथा चुनावी तैयारियों को गति देने पर जोर दिया।साथ ही कहा की पूरे देश की जनता भाजपा की कार्यशैली नीतियों के विरोध में खडी है हमे पूर्ण तैयारी में साथ आने वाले चुनावो में उतरना होगा और हम जनता की हर लड़ाइ को लड़ना होगा कांठोस पार्टी की जीत लोकतंत्र की जीत होगी ।

इस मोके पर जिला कांठोस अध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह चोहान ने कहा की आगामी चुनावों में पार्टी की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आ ान करते हुए कहा की कार्यकर्ता पार्टी की रीड हे और कार्यकर्ता ठान ले तो जीत निश्चित होती है जिसपर सभी कार्यकर्ता ने एक स्वर में समर्थन किया ।साथ सभी कार्यकर्ताओं को हर बूथ को मजबूत करने का आवाहन किया ।

बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष हरिसिंह राठौड, जिला प्रमुख नारायण सिंह भाटी, भीम-देवगढ़ के पूर्व विधायक सुदर्शन सिंह रावत, पूर्व नगर परिषद सभापति अशोक टॉक सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओ में भी विचार व्यक्त किए ।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राजसमंद जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में ब्लॉक एवं नगर स्तर पर संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इन बैठकों के माध्यम से संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाते हुए कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित किया जाएगा तथा आगामी चुनावों की तैयारियों को गति प्रदान की जाएगी।

बैठक में इस मौके पर जिला महामंत्री संदीप श्रीमाली ,जिला कोषाध्यक्ष निवर्तमान सभापति अशोक टाक,पूर्व उपसभापति चुन्नीलाल पंचोली,पूर्व प्रधान भेरूलाल वीरवाल,पूर्व उप प्रधान कमलेश चौधरी,पूर्व चेयरमैन अंजना जोशी,नारायण सुथार,जिलाप्रवक्ता बहादुर सिंह चारण ,ब्लॉक अध्यक्ष शंकर लाल जाट,राजेश गुर्जर, माधव लाल अहीर , कालूलाल गुर्जर, नेनाराम गुर्जर, नगर अध्यक्ष दिनेश एम जोशी,चंचल नंदवाना,ओबीसी संभाग अध्यक्ष लेहरूलाल अहीर,वरिष्ठ नेता गोविंद सनाध्या,मांगीलाल ताक, वहाब खान ,उपाध्यक्ष फतेह लाल गमेटी,खुम सिंह ,शांतिलाल प्रजापति,लक्ष्मण गुर्जर,प्रभुदयाल,अजीत सिंह ,कांठोस नेता मुकेश भार्गव,महिला प्रदेश महासचिव राजकुमारी पालीवाल ,महिला प्रदेश सचिव हिमानी नंदवाना,सेवादल ज़िलाध्यक्ष पुष्कर श्रीमाली,महिला जिलाध्यक्ष मनोरमा डाबी,ओबीसी जिलाध्यक्ष मनोहर कीर,सेवादल महिला जिलाध्यक्ष उषा विजयवर्गीय ,ब्लॉक अध्यक्ष महिला गोरी चौधरी,एसी जिलाध्यक्ष परसराम पोरवाड़, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष सत्तार शाह,कच्ची बस्ती अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ,उपाध्यक्ष खुम सिंह,जिला महासचिव हेमंत रजक,कालू लाल गुर्जर,श्रवण सिंह झाला, किशन गाडरी ,मोहन कुमावत,जिला सचिव फिरोज .खाान,तुलसीराम,गणेश कुमावत,,सोशल मीडिया प्रभारी इन्द्र कुमार जोशी,मंडल अध्यक्ष भूरालाल कुमावत ,हिम्मत कीर,नारायण गाडरी,पीरू खींची ,अशोक आचार्य, ,सहित कई कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

डाइट डूंगरपुर में मुंशी प्रेमचंद की जयंती मनाई

डूंगरपुर। उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती अजीम प्रेमजी संस्था के संदर्भ व्यक्ति जीवनेन्द्रसिंह के मुख्य आतिथ्य, डॉ.ऋषिन चौबीसा की अध्यक्षता एवं योजना एवं प्रबंध प्रभागाध्यक्ष दीपक कुमार चौबीसा एवं व्याख्याता सौरभ पहाड के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया। प्रभागाध्यक्ष रितेश कुमार पंड्या ने बताया कि डाइट प्रधानाचार्य हेमन्त पंड्या के निर्देशन मे मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर अजीम प्रेमजी संस्था के जीवनेंद्र सिंह ने पंच परमेश्वर फिल्म प्रॉजेक्टर के माध्यम से समस्त स्टॉफ एवं डीएलएड प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों को प्रदर्शित की । मुंशी प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 188० को वाराणसी के लमही गांव में हुआ था। वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उर्दू में वे नवाब राय नाम से लिखते थे?। उनका जीवन बचपन से ही आर्थिक विषमताओं और पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्होंने साहित्य को अपना सशक्त माध्यम बनाया। प्रेमचंद जी ने लगभग 3०० से अधिक कहानियाँए दर्जनभर उपन्यास और कई नाटक व निबंध लिखे ?प्रसिद्ध उपन्यास गोदान,गबन, कर्मभूमि, रंगभूमि, सेवासदन, निर्मला, प्रतिज्ञा आदि लिखे। डीएलएड प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों ने मुंशी प्रेमचंद की रचनाओं को सारांश में व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभागाध्यक्ष आईएफ आईसी प्रभाग डाइट डूंगरपुर रितेश कुमार पंड्या एवं आभार धर्मेश जैन ने ज्ञापित किया।

उपखंड अधिकारी ने किया पीएमश्री विद्यालय लीमथान का निरीक्षण

बांसवाड़ा। उपखंड अधिकारी सुश्री सोनू कुमारी ने आज स्टेट रिव्यूवर के रूप में पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लीमथान का निरीक्षण किया। उपखंड अधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यालय की समस्त शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कक्षाओं का अवलोकन कर छात्र-छात्राओं से संवाद किया और उन्हें जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय में भौतिक संसाधनों का निरीक्षण कर कक्षा-कक्ष, लाइब्रेरी, संविधान कक्ष व विद्यालय की साफ सफाई की प्रशंसा की। उन्होंने पीएमश्री विद्यालय के निर्धारित पैरामीटर की गहनता से जांच की।विद्यालय के निरीक्षण के दौरान बांसवाड़ा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुशील जैन उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी का स्वागत संस्था प्रधान महेंद्र कुमार भगोरा, स्काउट गाइड व समस्त स्टाफ द्वारा किया गया।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की महत्वपूर्ण चर्चा

राजसमंद। लोकसभा सांसद महारानी महिमा कुमारी मेवाड़ ने आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राजसमंद लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े सड़क अवसंरचना विकास एवं लंबित परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान सांसद ने क्षेत्र की विभिन्न सड़क संबंधी समस्याओं एवं विकास कार्यों से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने सभी प्रस्तावों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही करने तथा उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। बैठक में जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई, उनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-758 (भीलवाड़ा-राजसमंद) पर सालमपुरा कट खोलना, -58 पर जिला ब्यावर के रजियावास क्षेत्र में नाले का निर्माण, केंद्रीय सड़क निधि () योजना के अंतर्गत -201, -483 एवं -484 सड़कों का निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग-758 पर ठााम कुंवारिया में निर्माणाधीन ओवरब्रिज की लंबाई बढ़ाना, राष्ट्रीय राजमार्ग-162 पर अंडरपास के दोनों ओर सर्विस लेन का निर्माण तथा ठााम कुंवारिया (जिला राजसमंद) में निर्माणाधीन ओवरब्रिज पर अतिरिक्त अंडरपास का निर्माण शामिल रहे। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि राजसमंद लोकसभा क्षेत्र में मजबूत सड़क नेटवर्क, सुरक्षित यातायात और बेहतर संपर्क सुविधा उनकी प्राथमिकता है। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी तथा आमजन, किसानों, व्यापारियों और यात्रियों को व्यापक लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी का राजसमंद की जनभावनाओं को गंभीरता से सुनने एवं सकारात्मक आश्वासन देने के लिए आभार व्यक्त किया।

जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु विशेष ड्यूटी मजिस्ट्रेट एतद्द्वारा नियुक्त

डूंगरपुर। 4 अगस्त 2०26 को चेहल्लम, 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवसए 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 26 अगस्त को बारावफात, 28 अगस्त को रक्षाबंधन के त्यौहार पर्व होने से सार्वजनिक स्थानों पर भीड.भाड होने की संभावना को देखते हुए जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु निम्नलिखित उपखण्ड मजिस्ट्रेट तहसीलदार को क्षेत्र के लिए विशेष ड्यूटी मजिस्ट्रेट एतद्वारा नियुक्त किये है। जिला मजिस्ट्रेट देशलदान ने आदेश जारी कर उपखण्ड मजिस्ट्रेट डूंगरपुर को उपखण्ड क्षेत्र डूंगरपुर, उपखण्ड मजिस्ट्रेट सागवाडा को उपखण्ड क्षेत्र सागवाडा, उपखण्ड मजिस्ट्रेट आसपुर को उपखण्ड क्षेत्र आसपुर, उपखण्ड मजिस्ट्रेट बिछीवाडा को उपखण्ड क्षेत्र बिछीवाडा, उपखण्ड मजिस्ट्रेट सीमलवाडा को उपखण्ड क्षेत्र सीमलवाडा, उपखण्ड मजिस्ट्रेट गलियाकोट को उपखण्ड क्षेत्र गलियाकोट, उपखण्ड मजिस्ट्रेट चिखली को उपखण्ड क्षेत्र चिखली, उपखण्ड मजिस्ट्रेट साबला को उपखण्ड क्षेत्र साबला, तहसीलदार झौथरीपाल को तहसील क्षेत्र झौथरीपाल, तहसीलदार दोवडा को तहसील क्षेत्र दोवडा, तहसीलदार गामडी अहाडा को तहसील क्षेत्र गामडी अहाडा, तहसीलदार पाल देवल को तहसील क्षेत्र पाल देवलए तहसीलदार ओबरी को तहसील क्षेत्र ओबरी, के लिए विषेष ड्यूटी मजिस्ट्रेट एतद्वारा नियुक्त किये गए है। उन्होंने बताया कि ड्यूटी मजिस्ट्रेट पूर्ण सतर्कता के साथ निगरानी रखेंगे तथा कानून.व्यवस्था बनाये रखने हेतु समकक्ष वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरन्त उच्चाधिकारियों को देते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेगें। उक्त स्थानों के अलावा जिले के अन्य स्थानों के लिए संबंधित तहसीलदार ध् नायब तहसीलदार अपने-अपने कार्य क्षेत्र में कार्यपालक ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में कानून व्यवस्था की स्थिति पर पूर्ण निगरानी तथा शांति व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट डूंगरपुर जिले की कानून व्यवस्था हेतु समग्र प्रभारी रहेगे तथा विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित करेंगे एवं समय.समय पर जिला कलक्टर को कानून व्यवस्था की रिपोर्ट से अवगत करायेंगे।

उदयपुर की बेटी जेनेविव लोबो ने पिस्टल शूटिंग में बनाई खास पहचान

उदयपुर। उदयपुर की बेटी जेनेविव लोबो ने देहरादून में आयोजित स्वर्गीय जसपाल राणा मेमोरियल कप में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा आयोजित महिला व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में 400 में से 366 अंक हासिल कर 15वां स्थान प्राप्त किया। यह प्री-नेशनल स्तर की प्रतियोगिता 13 से 30 जुलाई 2026 तक देहरादून में आयोजित की गई थी इस प्रतियोगिता में कुल 4,500 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। महिला वर्ग में लगभग 450 प्रतिभागियों के बीच जेनेविव ने 15वीं रैंक हासिल की। प्रतियोगिता में केवल राज्य स्तरीय क्वालिफिकेशन पार करने वाले प्रतिभागी ही भाग ले सकते थे। इससे पहले 2025 में जेनेविव ने 400 में से 331 अंक लेकर राज्य स्तर पर क्वालीफाई किया था। उदयपुर की रहने वाली जेनेविव वर्तमान में पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत है। वह उदयपुर के सेंट मैरीज स्कूल की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने सॉफ्टवेयर सिस्टम्स में एम.टेक तथा फॉरेंसिक साइकोलॉजी और क्रिमिनल प्रोफाइलिंग में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। इसके अलावा उनके पास कथक नृत्य और तबला में डिप्लोमा भी हैं। नौकरी और अपने जुनून के बीच संतुलन बनाते हुए जेनेविव ने पहली बार डेढ़ साल से भी कम समय पहले पिस्टल शूटिंग शुरू की थी। एक शुरुआती खिलाड़ी से एनआरएआई के बड़े मेमोरियल टूर्नामेंट में 15वें स्थान तक का उनका सफर उनकी एकाठाता और समर्पण को दर्शाता है। उनकी तकनीकी नींव और शूटिंग की बुनियादी तैयारी उदयपुर की प्रिसीजन पीक शूटिंग अकादमी में कोच विजय नायक के मार्गदर्शन में मजबूत हुई, जबकि पुणे, महाराष्ट्र में उनकी निरंतर ट्रेनिंग और प्रगति को राइफल शूटिंग अकादमी की कोच स्नेहा ने दिशा दी। जेनेविव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता ऐनी लोबो और वीरेन लोबो के साथ-साथ अपने कार्यस्थल को भी दिया।

बाल निगलने की आदत बनी 17 वर्षीय किशोरी के लिए गंभीर बीमारी का कारण, गीतांजलि हॉस्पिटल में सफल सर्जरी

उदयपुर। गीतांजलि हॉस्पिटल के जीआई सर्जन डॉ. हेमंत जैन एवं उनकी टीम ने एक 17 वर्षीय किशोरी का सफल ऑपरेशन कर उसे नया जीवन प्रदान किया। किशोरी गंभीर कमजोरी की शिकायत के साथ अस्पताल पहुंची थी। जांच में उसका हीमोग्लोबिन मात्र 6 ग्राम प्रति डेसीलीटर पाया गया, जो सामान्य स्तर से काफी कम था। विस्तृत जांच के दौरान पता चला कि मरीज एक अत्यंत दुर्लभ चिकित्सीय स्थिति से पीड़ित थी, जिसमें उसे बार-बार अपने बाल खींचने और उन्हें निगलने की आदत थी। समय के साथनिगलेगए बाल उसके पेट में जमा होकर एक विशाल गांठ (ट्राइकोबेज़ोआर/) का रूप ले चुके थे। यह दुर्लभ स्थिति कई मामलों मेंरापुन्ज़ेलसिंड्रोम से भी जुड़ी हो सकती है, जिसमें बालों का गुच्छा पेट से आगे आंतों तक फैल सकता है। डॉ. हेमंत जैन ने बताया कि पेट में बालों के बड़े गुच्छे के कारण मरीज को पोषण नहीं मिल पा रहा था, जिसके चलते उसका हीमोग्लोबिन लगातार गिरता गया और वह अत्यधिक कमजोरी का शिकार हो गई। समय पर सही जांच और सर्जरी के निर्णय से ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया तथा पेट से बालों का पूरा गुच्छा निकाल दिया गया।सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है और वह चिकित्सकीय निगरानी में स्वस्थ हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार के मामलों में शारीरिक उपचार के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक परामर्श भी आवश्यक होता है, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो। डॉ. हेमंत जैन ने अभिभावकों से अपील की कि यदि बच्चों या किशोरों में अत्यधिक बाल झड़ने, बार-बार बाल खींचने, बाल चबाने या निगलने जैसी आदत दिखाई दे, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेकर इस दुर्लभ लेकिन गंभीर समस्या का समय रहते उपचार किया जा सकता है।

उदयपुर। गीतांजलि हॉस्पिटल के जीआई सर्जन डॉ. हेमंत जैन एवं उनकी टीम ने एक 17 वर्षीय किशोरी का सफल ऑपरेशन कर उसे नया जीवन प्रदान किया।

- **बच्चों के बाल निगलने की आदत को नजरअंदाज नहीं करे**

मावली में दो ज्वैलरी दुकानों में लाखों की चोरी

मावली, (निसं)। उदयपुर जिले के मावली कस्बे के मुख्य बाजार में शुक्रवार तड़के अज्ञात चोरों ने दो ज्वैलरी दुकानों को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण एवं अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। चोर दुकानों के पीछे की ओर से दीवार तोड़कर भीतर घुसे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। सुबह जब दुकानदार दुकान खोलने पहुंचे तो घटना का पता चला। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर एकत्रित हो गए। चोरी की सूचना से पूरे बाजार में हड़कंप मच गया।

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि सूचना देने के बावजूद पुलिस करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची, जिससे उनमें भारी नाराजगी व्याप्त है। व्यापारियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए घटनास्थल पर विरोध-प्रदर्शन किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत खेगरों की भागल, पंचायत समिति गिर्वा, उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- 18 दिनांक:- 31.7.2026

-: ई निविदा सूचना- 03/2026-27 :-

ग्राम पंचायत खेगरों की भागल में महात्मा गांधी नरेगा/ विकसित भारत- जी राम जी अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्योहेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएंदिनांक 10.8.2026 प्रात: 11.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका UBN No ZUD2627GLOB01636 है।

प्रशासक ग्राम पंचायत-खेगरों की भागल पं.स. गिर्वा, जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत-खेगरों की भागल पं.स. गिर्वा, जिला-उदयपुर (राज.)

झोलाछाप के इलाज से युवक की मौत

- **बुखार में ड्रिप के बाद बिगड़ी तबीयत, जिला अस्पताल में भर्ती कराकर आरोपी फरार**

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र के पारडाथुर गांव में एक झोलाछाप चिकित्सक के गलत इलाज से एक युवक की मौत हो गई। युवक को बुखार आने पर वह वह खुद रामगढ़ गांव में झोलाछाप के क्लीनिक पर आया। झोलाछाप ने उसका इलाज किया, लेकिन तबीयत बिगड़ गई। झोलाछाप खुद उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद गायब हो गया। जहां युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन अब झोलाछाप पर गलत इलाज के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग पर अडे हैं।

दोवड़ा थाना क्षेत्र के पारडाथुर निवासी बाबूलाल ननोमा ने बताया कि उसके बेटे पूंजीलाल ननोमा की गुरुवार को तबीयत खराब हो गई। उसे हल्का बुखार आने लगा। जिस पर वह खुद अपनी मोटरसाइकिल से रामगढ़ गांव में हितेंद्र उर्फ सुखलाल पाटीदार के क्लीनिक पर गया। जहां झोलाछाप ने डॉक्टर की तरह इलाज किया। बुखार पर उसे इंजेक्शन लगाया। ड्रिप चढ़ाई और फिर एक टेबलेट भी दी। थोड़ी देर बाद युवक अपने घर चला गया, लेकिन घर जाते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई और बेहोश होकर नीचे गिर गया। जिस पर उसकी पत्नी सूर्या उसे लेकर वापस रामगढ में झोलाछाप के क्लीनिक पर पहुंची। जहां तबीयत ज्यादा खराब होने से झोलाछाप हितेंद्र पाटीदार अपनी कार से डूंगरपुर अस्पताल लेकर आया। इमरजेंसी में उसे भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। इलाज के दौरान शुक्रवार तड़के पूंजीलाल की मौत हो गई। इसके बाद शव को डूंगरपुर अस्पताल के मॉर्च्युरी में रखवाया गया।

रेडियम पट्टी लगाने के नाम पर वसूली, 8 गिरफ्तार

डूंगरपुर। जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने नेशनल हाईवे 48 पर वाहनों में रेडियम रिफ्लेक्टर पट्टी लगाने के नाम पर अवैध वसूली करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 21 हजार रुपए नकदए एक अर्टिगा कारए फर्जी रसीदें, रेडियम पट्टियां, मोबाइल फोन और अन्य सामान जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि तीसरी आंख मोबाइल नंबर पर एक सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि रतनपुर पुलिस चौकी के पास रात के समय कुछ बदमाश उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर आने.जाने वाले वाहनों को रोककर रेडियम पट्टी लगाने के बहाने ड्राइवरों से जबरन वसूली कर रहे हैं। इस सूचना पर डीएसटी ने बिछीवाडा थाना पुलिस और रतनपुर चौकी पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की।

अमरचंद बड़वा की जयंती पर संगोष्ठी

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ की अमरचंद बडवा शोध पीठ एवं अमरचंद बड़वा स्मृति संस्थान, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अमरचंद बड़वा की जयंती के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय समारोह के समापन दिवस पर शुक्रवार को प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय सभागार में अमरचंद बड़वा कालीन कला एवं संस्कृति विषय पर प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इतिहास, संस्कृति और मेवाड़ की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने विस्तार से विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता वरिष्ठ इतिहासकार तेजसिंह तरूण ने कहा कि अमरचंद बड़वा का व्यक्तित्व केवल प्रशासनिक दक्षता तक सीमित नहीं था, बल्कि उनकी दूरदर्शिता, कला-प्रेम और सुरक्षा व्यवस्था की अनूठी समझ उन्हें इतिहास में विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी जीवन में अमरचंद बड़वा पर लिखा गया उनका लेख प्रतिष्ठित पत्रिका कादम्बिनी में प्रकाशित हुआ था, जिसके बाद इतिहास और लेखन के प्रति उनकी रुचि और अधिक बढ़ी। उन्होंने कहा कि राज्य की सुरक्षा के लिए बड़वा द्वारा निर्मित करवाई गई अद्भुत तोपें उनकी रणनीतिक सोच और उत्कृष्ट शिल्पकला का अनुपम उदाहरण हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्ञानमल सोनी ने की। उन्होंने अमरचंद बड़वा के प्रशासनिक कौशल, दूरदर्शी नेतृत्व और समाज के प्रति उनके योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके कार्य आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं। मंत्री डॉ. राजेन्द्रनाथ पुरोहित ने मेवाड़ राज्य के इतिहास तथा कर्नल टॉड द्वारा वर्णित ऐतिहासिक तथ्यों का संदर्भ प्रस्तुत करते हुए अमरचंद बड़वा के योगदान को रेखांकित किया। वहीं लोकजन सेवा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जयराज आचार्य ने वर्ष 1751 से 1775 के मध्य मेवाड़ के चार शासकों के साथ अमरचंद बड़वा के संबंधों, तत्कालीन कला-संस्कृति, रहन-सहन और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पर शोधपरक व्याख्यान दिया। लोकजन सेवा संस्थान एवं अमरचंद बडवा स्मृति संस्थान के अध्यक्ष प्रो. विमल शर्मा तथा संस्थापक महामंत्री जयकिशन चैबे ने अतिथियों एवं प्रबुद्धजनों का स्वागत किया।

अमरचंद बडवा कालीन कला एवं संस्कृति विषय पर प्रबुद्धजन संगोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज.)

Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/नामा./2026/5560 दिनांक : 31/7/2026

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पडौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री मंजु सुथार पिता श्री रामेश्वर शर्मा निवासी-लाल बाग रोड, उबा गणेशजी, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-15 क्षेत्रफल-1162.50 श्रीजी रेजीडेन्सी गौरव पथ रोड़, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-16	भूखण्ड संख्या-13 व 14	40 फिट रोड़	अन्य भूखण्ड
2	श्री नरोत्तम वैष्णव एवं श्री राजेश वैष्णव पिता श्री दामोदर दास वैष्णव	भूखण्ड संख्या-16 क्षेत्रफल-1200 श्रीजी रेजीडेन्सी गौरव पथ रोड़, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-17	भूखण्ड संख्या-15	40 फिट रोड़	अन्य भूखण्ड
3	श्री सज्जन सिंह पिता श्री मोहन एवं किशनलाल पिता श्री दुर्गाशंकर दवे	भूखण्ड संख्या-34 क्षेत्रफल-2137.50 वर्गफिट, गोर्वधन नगर, पानेरियों की मादडी, नाथद्वारा	30 फिट रोड़	कृषि भूमि	कृषि भूमि	भूखण्ड संख्या-33
4	श्री प्रकाश लाल जी भाई प्रजापती पिता श्री लालजी भाई प्रजापती	भूखण्ड संख्या-28 क्षेत्रफल-1860 वर्गफिट, शान्ति नगर, श्री नाथ कॉलोनी, पावटी भील बस्ती, नाथद्वारा	आम रास्ता 30 फिट	आ.रा. न.986 कृषि भूमि	भूखण्ड संख्या-27	भूखण्ड संख्या-29

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

स्वच्छता में उदयपुर बने देश का मॉडल शहर, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पालना करें : के. के. गुप्ता

के के गुप्ता

- **प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर ने नगर निगम में समीक्षा बैठक लेकर शहरी सेवा शिविर का किया औचक निरीक्षण**

उदयपुर। स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान सरकार के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के. के. गुप्ता ने शुक्रवार को नगर निगम उदयपुर पहुंचकर निगम एवं उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) के अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली तथा शहरी सेवा शिविर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर की स्वच्छता व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जन शिकायतों के निस्तारण तथा विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए, जिसमें संबंधित परिवादी द्वारा पट्टा, नामान्तरण और उप विभाजन को लेकर किए गए आवेदन पर 24 घंटे में परिवाद की कमियों से अवगत करवाएं।

बैठक को संबोधित करते हुए के. के. गुप्ता ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और शहर के समठा विकास का आधार है। सभी अधिकारी इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा साहब की मंशा के अनुरूप शहरी सेवा शिविरों को आमजन के लिए अधिक उपयोगी और प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक परिवादी की दैनिक समस्या का अधिकतम 24 घंटे के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके और प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो। नगर निगम एवं उदयपुर विकास प्राधिकरण की संयुक्त समीक्षा बैठक में गुप्ता ने कहा कि शहर की सभी नालियां एवं नाले नियमित रूप से साफ होने चाहिए, जिससे वर्षा ऋतु में जलभराव जैसी समस्याएं उत्पन्न न हों। उन्होंने कहा कि समय पर सफाई व्यवस्था होने से नागरिकों को राहत मिलेगी तथा शहर की आधारभूत व्यवस्थाएं भी बेहतर बनी रहेंगी। उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा स्वच्छता को लेकर बनाए गए चार जोन की स्थिति बड़ी गंभीर है। चारों तरफ कचरा फैल रहा है, नालियों के पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होना तथा बाग़ बगीचों की दुर्दशा हो रही है और सड़कों के दुर्दशा चिंताजनक है। इसको लेकर उच्च अधिकारियों को लिखने के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों को पाबंद किया कि स्थितियां शीघ्र सुधारे। उन्होंने कहा कि उदयपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन के लिए विश्वभर में पहचान रखता है। ऐसे में शहर के पार्क एवं उद्यान स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक होने चाहिए। नगर निगम को इनके रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। गुप्ता ने कहा कि राजस्थान सरकार के प्रयासों से नगर निगम कार्यालय में लंबे समय से रिक्त पड़े आवश्यक पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं। अब सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि वे टीम भावना के साथ कार्य करते हुए झीलों की नगरी उदयपुर को स्वच्छता के क्षेत्र में भी प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के अठाणी शहरों में शामिल करें। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा विकास कार्य स्वच्छता है और उदयपुर अपनी प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के कारण विदेशों के प्रमुख पर्यटन नगरों को भी टक्कर देता है। ऐसे में इसकी स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि उदयपुर की सभी झीलें स्वच्छ एवं सुंदर रहनी चाहिए। झीलों में गंदगी एवं प्रदूषण रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर नियमित निगरानी की जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके। बैठक में उन्होंने वृक्षारोपण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक शहरी निकाय द्वारा प्रमुख मार्गों के दोनों ओर लगभग 12 फीट ऊंचाई के पौधों का रोपण किया जाना है।

आबकारी विभाग के 2 अधिकारी सेवानिवृत्त

उदयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि अनुशासन से राजकीय दायित्व का निर्वहन करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी बधाई के पात्र है उनके भावी जीवन की कुशलता व स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित है। आबकारी आयुक्त विभागीय सभागार में राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी अतिरक्त आबकारी आयुक्त लीगल प्रकाश चंद्र रेगर एवं आबकारी अधिकारी मुख्यालय रियाजुद्दीन उस्मानी के सेवानिवृत्ति समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में आबकारी आयुक्त नीति प्रदीप सिंह सांगावत, अनिल कुमार शर्मा, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त उदयपुर जोन प्रभा गौतम, वित्तिय सलाहकार सुनिता विजय सहित अन्य अधिकारियों ने भी सेवानिवृत्त अधिकारियों को जीवन के अग्रिम पड़ाव के शुमकामनाएं प्रदान की।

ग्राम पंचायत कितावतो का वास पंचायत समिति झाडोल जिला - उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रा.प./2026-27/26 दिनांक-28.07.2026

-:ई निविदा सूचना 2026-27:-

ग्राम पंचायत कितावतो का वास में महात्मा गांधी नरेगा तथा वीबीजी रामजी तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य के लिए वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु उदयपुर की खुली ई निविदा दिनांक 08/08/2026 को सायं 6:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी sppp.rajasthan.gov.in / eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.सं.	विवरण	UBN No
	-ई निविदा सुचना 2026-27:- ग्राम पंचायत कितावतो का वास में महात्मा गांधी नरेगा तथा वीबीजी रामजी तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज योजनान्तर्गत कराये जाने वाले कार्य के लिए वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु	ZUD2627GLOBO1584

प्रशासक ग्राम पंचायत कितावतो का वास

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत कितावतो का वास

कार्यालय नगर पालिका वल्लभनगर, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक: -निविदा/2026-27/123 दिनांक-29.07.2026

अल्पकालीन खुली बोली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय नगर पालिका वल्लभनगर , जिला, उदयपुर में स्वीकृत निम्नांकित कार्यो के हेतु इच्छुक एवं उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से खुली निविदाएं निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को नीचे दिये गये विवरण के अनुसार निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर चैक कार्यालय नगर पालिका वल्लभनगर में अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका वल्लभनगर के नाम से निर्धारित दिनांक व समय पर जमा कराना होगा। धरोहर राशि निविदा शुल्क प्राप्त नहीं होने पर उस निविदादाता की ऑफलाईन निविदाऐं खोली नहीं जाएगी। निविदा से संबंधित विस्तृत शर्ते संलग्न की जा रही है। जिसकी विस्तृत जानकारी https://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय पर कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र बेचने / डाउनलोड करने का दिनांक एवं समय	निविदा जमा कराने की दिनांक एवं समय	निविदा खोलने की दिनांक एवं समय
1	चबुतरा मय टीन शेड निर्माण कार्य कृषि मण्डी के पास शमशान में वल्लभनगर	3.00	6000	500	04.08.2026 सायं 5.00 बजे तक।	05.08.2026 दोपहर 12.00 बजे तक।	05.08.2026 दोपहर 2.00 बजे ।
2	विश्रान्ति गृह कर किर खेडा माता जी मंदीर के पास वल्लभनगर	5.00	10000	500			

UBN NO : DLB2627WSOB12724, DLB2627WSOB12729

अधिशाषी अधिकारी

नगर पालिका वल्लभनगर

Name Changed

I Have Changed My Name From Mariyam to Mariyam Ametwala For All Purposes. In Future be Called and Known by New Name. R/o 431, Gali No. 1, Garib Nawaz Colony, Mullatalai, Udaipur, Raj.

पैसिफिक मेडीडेंट इंटर कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट का भव्य समापन

उदयपुर। पैसिफिक मेडीडेंट इंटर कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट का भव्य एवं सफल आयोजन 22 से 28 जुलाई तक पैसिफिक डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, देबारी, उदयपुर में किया गया। एक सप्ताह तक चले इस रोमांचक टूर्नामेंट में चार मेडिकल एवं डेंटल कॉलेजों की कुल सात टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। पूरे टूर्नामेंट में कुल 11 मुकाबले खेले गए, जिनमें कई रोमांचक एवं संघर्षपूर्ण मैच देखने को मिले। पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में पैसिफिक डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, देबारी का सामना आरएनटी मेडिकल कॉलेज की टीम से हुआ। कड़े संघर्ष और शानदार खेल प्रदर्शन के बीच पैसिफिक डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, देबारी की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं, महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में पैसिफिक डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, देबारी की टीम का मुकाबला पैसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की टीम से हुआ।

बास्केटबॉल टूर्नामेंट में कुल सात टीमों ने हिस्सा लिया।

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज.)

Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ./तामीर/2026/5557 दिनांक : 31/7/2026

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार परप्राप्त भूखण्ड/भवन कास्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर भवन निर्माण में कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 07 दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पडौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री देवांश सिसोदिया पिता श्री गौतमलाल सिसोदिया निवासी-धायला, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-01 क्षेत्रफल-1020 वर्गफिट, आरटीडीसी रोड, लाल बाग,नाथद्वारा	30 फिट रोड	मंगलम रेजीडेन्सी	अन्य भूमि	अन्य भूमि

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगर पालिका मण्डल देवगढ जिला राजसमन्द (राज0)

क्रमांक/न.पा.दे./तामिर/2026–27/1863 **आपत्ति आमंत्रण पत्र** दिनांकः– 28.07.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नाकिंत आवेदको ने आवेदन पत्र पेश कर नगर पालिका देवगढ क्षैत्र में स्थित अपने भूखण्ड में भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति/निर्माण नियमितिकरण हेतु प्रार्थना पत्र एवं नक्शा प्रस्तुत किया है जो अवलोकन हेतु कार्यालय में उपलब्ध है। आवेदको के नाम मय पडौस निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	नाम आवेदक	पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्रीमती अंजुम शेख पत्नि श्री युनुस मोहम्मद शेख निवासी स्टेडियम के पिछे देवगढ	आराजी नम्बर 6145/2740 की भूमि	आराजी नम्बर 6144/2740 की भूमि	आराजी नम्बर 2735 की भूमि	30 फिट चौडा रास्ता

अतः उपरोक्त भूखण्ड पर निर्माण स्वीकृति दिये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो अपना आपत्ति पत्र मय प्रमाणित दस्तावेजो के इस सूचना पत्र के प्रकाशित होने के सात दिवस में प्रस्तुत कर दें। अन्यथा बाद अवधि गुजरने के कोई आक्षेप मान्य नही होगा।

राज.संवाद/सी/26/8264 अधिशाषी अधिकारी

पीएचडी की उपाधि

उदयपुर,। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय की शोधार्थी कुसुम मीणा को 'भारत में महिलाओं के विरुद्ध विवाह-उपरान्त क्रूरता के सन्दर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर शोध हेतु पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। यह शोध कार्य डॉ. अनुपमा उज्जवल तथा डॉ. आशुतोष पितलिया के निर्देशन में हुआ।

GMCH
GEETANJALI HOSPITAL
HEALTH IS HAPPINESS

Heart इमरजेंसी....
तुरंत उपचार, बेहतर परिणाम

3 अत्याधुनिक CATH LABS से सुसज्जित
दक्षिणी राजस्थान का सबसे बड़ा
हार्ट सेंटर

हृदय एवं न्यूरोवैस्कुलर उपचार में विशेष देखभाल

सटीक जांच | सुरक्षित प्रक्रिया | बेहतर परिणाम | विश्वसनीय देखभाल

प्रमुख विशेषताएँ :

- ☑ उन्नत इमेजिंग तकनीक एवं सटीकता
- ☑ रेडिएशन सुरक्षा तकनीक
- ☑ डायनेमिक कोरोनरी रोडमैप (DCR)
- ☑ ग्लोबल कोरोनरी गाइडेंस टूल्स
- ☑ भविष्य के अनुरूप आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर
- ☑ सीलिंग आधारित सिस्टम द्वारा स्मूथ मूवमेंट
- ☑ पूरे शरीर की आसान एवं सटीक इमेजिंग
- ☑ 3-डी रोटेशनल एंजियोग्राफी (3DRA)
- ☑ बेहतर सॉफ्ट टिश्यू इमेजिंग क्षमता
- ☑ ज़ीरो-डोज़ पोज़िशनिंग तकनीक
- ☑ ग्रिड स्विच एवं स्पेक्ट्राबीम फ़िल्टर तकनीक द्वारा कम रेडिएशन
- ☑ स्वचालित पोज़िशन कंट्रोल
- ☑ एआई आधारित उच्च सटीकता एवं मूवमेंट कंट्रोल
- ☑ स्मार्ट कंट्रोल्स एवं डायनेमिक यूज़र इंटरफ़ेस

हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. रमेश पटेल | डॉ. दिलीप जैन | डॉ. गौरव मित्तल
डॉ. रोहिन के. सैनी | डॉ. शैलेन्द्र दीक्षित

हृदय एवं वैस्कुलर सर्जन
डॉ. संजय गाँधी | डॉ. शोभित माथुर
डॉ. सुनील सागर | डॉ. ब्रिजेश परमार

हृदय रोग निश्चेतना विशेषज्ञ
डॉ. अंकुर गाँधी | डॉ. कल्पेश मिस्त्री | डॉ. सुमित ताबरी
डॉ. अर्चना देवतारा | डॉ. हिमांशु अनीजवाल | डॉ. सिद्धार्थ अग्रवाल

हमारी विशेषताएँ:

अत्याधुनिक कैथ लैब	मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर	40 बेडेड सीसीयू	30 बेडेड सीटीवीएस आईसीयू	24x7 डॉक्टर्स की उपलब्धता	24x7 कार्डियक इमरजेन्सी	नवजात, बच्चे व व्यस्कों के ह्रदय रोग का इलाज	नवीनतम तकनीकें

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.) - 313002

0294-2500044
www.geetanjalihospital.co.in

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (RGHS) | कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) | भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS) | सभी सरकारी, निजी, टीपीए और बीमा योजनाओं के साथ सूचीबद्ध

1928 से लेकर अब तक, दादा ध्यानचंद और बलबीर सिंह सीनियर से लेकर मोहम्मद शाहिद, जफर इकबाल और 1980 मॉस्को ओलंपिक की टीम तक सभी नीली जर्सी में खेले हैं। मैं खुद 15 साल तक खेला और जब तक खेला गहरा और हल्का नीला ही जर्सी का रंग रहा है। - परगट सिंह

पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान, खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

अजिंक्य रहाणे

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 खेल चुके रहाणे ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। वे पिछले 3 साल से किसी भी फॉर्मेट में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। वीडियो में 38 साल के रहाणे ने भावुक होते हुए कहा कि अब उनके लिए आगे बढ़ने का यही सही समय है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पोस्ट कर रहाणे को उनके करियर के लिए बधाई दी है। विराट कोहली ने रहाणे के संन्यास पर लिखा- जिंक्स, शानदार करियर के लिए बधाई दोस्त।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 4 भारतीय मुक्केबाज फाइनल में

जूडो में अस्मिता-हर्ष और यामिनी के मेडल पक्के, नीरज जेवलिन में गोल्ड के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन भारतीय मुक्केबाज अरुंधति चौधरी, जैस्मीन लम्बोरिया, प्रीति पवार और अंकुश पंघाल ने अपने-अपने सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बना ली। इससे कम से कम 4 सिल्वर मेडल पक्के हो गए हैं। ग्लासगो अरुंधति चौधरी ने महिलाओं की 70 वेट कैटेगरी में वेल्श की रोजी एक्लेस को 4-0 से हराया। वहीं, जूडो में हर्ष सिंह मेंस 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंच गए, जबकि महिलाओं में अस्मिता डे (48 किग्रा) और यामिनी मौर्या (57) ने के फाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का कर लिया। भारत अब तक 17 पदक जीत चुका है, जिसमें 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज शामिल हैं। देर रात 12.45 बजे जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का फाइनल होगा। उनके साथ भारत के रोहित यादव और यशवीर सिंह भी चुनौती पेश करेंगे। प्रीति, जैस्मिन और अंकुश बॉक्सिंग फाइनल में : महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रीति पवार ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराया। जबकि जैस्मीन लम्बोरिया ने 57 में लेसोतो की रेप्लेंग मसेला को से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में अंकुश पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया। अंकुश ने तीनों राउंड में बढ़त बनाए रखी और फाइनल में जगह बना ली। जूडो में हर्ष और अस्मिता का कमाल: पुरुष 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के पेड्रो कार्लोस एंटुन नेटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए जूडो में दूसरा पदक पक्का कर दिया। महिला 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने स्कॉटलैंड की समर शॉ को गोल्डन स्कोर में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मुकाबला बेहद कड़ा रहा, लेकिन अतिरिक्त समय में अस्मिता ने निर्णायक अंक हासिल कर जीत दर्ज की। नीरज की गोल्ड पर नजर: जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज के सामने पाकिस्तान के मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम और श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे की चुनौती होगी। रुमेश ने क्वालिफिकेशन में 82.84 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया था, जबकि नीरज 79.61 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। नीरज अरशद: नीरज और अरशद 2016 से अब तक 11 टूर्नामेंट में आमने-सामने आ चुके हैं। इनमें 10 बार नीरज ने बाजी मारी है। अरशद की एकमात्र जीत पेरिस ओलिंपिक 2024 में आई थी, जहां उन्होंने ओलिंपिक रिकॉर्ड 92.97 मीटर के साथ गोल्ड जीता था। 90 मीटर पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर: नीरज चोपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वे 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर हैं। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में उन्होंने 87.58 मीटर के साथ गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा नीरज वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 और एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड, जबकि पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। लॉन बॉल्स में लगातार चौथी जीत: पुरुष पेयर्स स्पर्धा में दिनेश कुमार और नवनीत सिंह की भारतीय जोड़ी ने फॉकलैंड आइलैंड्स को 2-0 से हराया। टीम ने लगातार चौथी जीत दर्ज की और अब सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है। बॉक्सिंग में भारत के 6 सेमीफाइनल बाकी: बॉक्सिंग में भारत के 10 मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, इनमें से 4 ने फाइनल में जगह बना ली है। अब जदुमणि सिंह के मुकाबले शाम तक होंगे। जीत के साथ ये खिलाड़ी अपने-अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच जाएंगे। देर रात साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, लवलीना बोरगोहेन, सचिन सिवाच और नरेंद्र बरवाल भी सेमीफाइनल में उतरेंगे। टोक्यो ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन पर भी भारत की नजरें रहेंगी। वे 75 किलोग्राम वर्ग में चुनौती पेश करेंगी। आज 22 गोल्ड मेडल इवेंट्स: कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन कुल 22 गोल्ड मेडल इवेंट्स हो रहे हैं। इनमें 10 एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, 7 ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग तथा 5 जूडो स्पर्धाओं के गोल्ड मेडल मुकाबले शामिल हैं।

मरुधर क्रिकेट एकेडमी 81 से विजेता

जयपुर, 31 जुलाई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितिय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच में मरुधर क्रिकेट एकेडमी और एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 233/9 40.0 ओवर मे रन बनाये। मरुधर क्रिकेट एकेडमी की ओर से दिपक यादव ने 97 रन, सचिन गुर्जर ने 60 रन ओर तन्मय जैन ने 22 रन बनाये। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी की और से गेदबाजी करते हुए मयंक सिकरवार ने 44 रन देकर 3 विकेट, सिद्धार्थ गुर्जर ने 45 रन देकर के 3 विकेट लिया। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी बल्लेबाजी करते हुए 152/10 31.5 ओवर मे ऑल आउट हो गई। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी कि ओर बल्लेबाजी करते हुऐ विशाल शर्मा ने 55 रन, जे आर विराट शर्मा ने 23 रन बनाये। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए अंकुर सुर्मन ने 14 रन देकर के 4 विकेट, सचिन गुर्जर ने 2 रन देकर 3 रन विकेट, सौरभ सिह शेखावत ने 33 रन देकर 2 विकेट लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी 81 से विजेता हुई।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के 12 होस्ट शहरों का ऐलान

दक्षिण अफ्रीका में 8 वेन्यू, जिम्बाब्वे-नामीबिया भी मेजबान, 24 साल बाद अफ्रीका में वर्ल्ड

नई दिल्ली, 31 जुलाई। आईसीसी ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 12 मेजबान शहरों का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के 8 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। इनमें जोहानसबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, ग्केबेर्हा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन शहर होंगे। वहीं जिम्बाब्वे के हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में भी मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला जोहानसबर्ग के वांडरर्स या केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में हो सकता है। 24 साल बाद अफ्रीका में लौटेगा वनडे वर्ल्ड कप: वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी में लौट रहा है। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है। नामीबिया पहली बार किसी सीनियर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि इसी साल उसने जिम्बाब्वे के साथ मिलकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था। 54 में से 41 मैच साउथ अफ्रीका में हो सकते हैं : वर्ल्ड कप के कुल 54 मुकाबलों में से कम से कम 41 मैच साउथ अफ्रीका में खेले जाने की संभावना है। जिम्बाब्वे को 7 से 10 मुकाबलों की मेजबानी मिलेगी, जबकि नामीबिया में कम से कम तीन मैच होंगे। बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को वॉर्म-अप वेन्यू बनाया गया है। ये दोनों शहर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर की मेजबानी भी नामीबिया के साथ मिलकर कर सकते हैं। विक्टोरिया फॉल्स पहली बार बनेगा वर्ल्ड कप वेन्यू: 12 शहरों में विक्टोरिया फॉल्स नया वेन्यू है। यहां 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाया जा रहा है।

ऋषभ पंत की श्रीलंका दौरे से पहले स्पेशल तैयारी, धोनी के साथ रांची में की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत नेश्रीलंका के ख़िलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीजके लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है.28 साल के ऋषभ पंत अभी रांची में हैं, जहां वे श्रीलंका दौरे से पहले भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं.भारत का श्रीलंका दौरा 15 अगस्त से शुरू होगा. पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त के बीच गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त के बीच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा।

पूर्व भारतीय स्पनिर शहबाज नदीम ने जिम की एक फोटो शेयर की, जिसमें धोनी औरपंतभी नजर आ रहे हैं. अपने 20 साल के प्रोफेशनल क्रिकेट करियर में भारत के लिए दो टेस्ट मैच खेलने वाले नदीम ने पोस्ट के साथ लिखा कि भारतीय क्रिकेट के दो बेहतरीन फिनिशर ऋषभ पंत और एमएस धोनी पंत टेस्ट में भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर - बल्लेबाज हैं और बाएं हाथ का बल्लेबाज पंत श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने को तैयार है. पंत पछिली बार जून 2026 में एक कॉम्पिटिटिव क्रिकेट मैच खेले थे। जब भारत का मुकाबला मुल्लांपुर के नए स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ एक इकलौते टेस्ट मैच में हुआ था. हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी वाली टीम के खिलाफ मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया था।

जसप्रीत बुमराह फिटनेस टेस्ट में पास: भारत को श्रीलंका दौरे से पहले अच्छी खबर भी मिली है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह फिटनेस टेस्ट में पास हो गए हैं. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से उन्हें हरी झंडी मिल गई है.दरअसल बुमराह को फिटनेस पास करने की शर्त के साथ श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड में शामिल किया गया था. उन्हें इंग्लैंड दौरे पर चोट लगी थी. तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में उनका घुटना चोटिल हो गया था ।

भारत के बांग्लादेश दौरे पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत और बांग्लादेश के बीच सितंबर में होने वाली सीरीज पर सस्पेंस बरकरार है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने अब सरकार से गुहार लगाई है कि वह भारत से बात करे। तमीम विदेश मंत्रालय गए और दौरे के लिए सुरक्षा की गारंटी मांगी। भारत को बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने हैं। हालांकि की ओर से सीरीज पर कन्फर्मेशन आना बाकी है। सीरीज 2024 में होनी थी:दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। अब सीरीज सितंबर 2026 में कराने की बात चल रही है। हालांकि भारत की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है। सुरक्षा बड़ा इश्यू:तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरते दिखने पर सीरीज संभव:हाल ही में भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है।

रोटरी गोल्फ में डॉ. देवेंद्र कुमार बने विजेता, हरपाल सिंह उपविजेता

जयपुर, 31 जुलाई। रोटरी क्लब जयपुर गोल्फर्स द्वारा रामबाग गोल्फ आयोजित गोल्फ प्रतियोगिता में डॉ देवेंद्र कुमार ने शानदार खेल की बदौलत सबसे अधिक 17 अंक हासिल कर विजेता बने। वहीं उप विजेता हरपाल सिंह ने हैदर अली के बराबर 16 अंक होने पर बैक 6 होल के स्कोर से बाजी मारी। हैदरअली प्रथम उप विजेता रहे। डॉ देवेंद्र लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लगातार विजेता व उप विजेता रहते हुए पिछले रोटेरी गोल्फ के बेस्ट गोल्फर का खिताब जीता था। डॉ बी एम रतूड़ी भी 16 का कार्ड खेलकर 70 वर्ष बेस्ट वेटेरियन गोल्फर बने वहीं 7 अंकों के साथ बेस्ट लेडी गोल्फर डॉ अंजलि जैन बनी। 9 होल की स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली गई इस प्रतियोगिता में करीब 40 पुरुष एवं महिला रोटेरियन गोल्फर्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया। सुरेंद्र सिंह ने होल नं 2 पर पिन के 27 फिट नजदीक बाल मारकर नीयरेस्ट टू पिन के विजेता बने। स्ट्रेटेस्ट ड्राइव में लाइन से 10 फिट नजदीक मारकर रविन्द्र नाथ विजेता रहे वहीं 242 फिट लंबी ड्राइव मारकर लांगेस्टव ड्राइव का खिताब विनोद आर्य ने जीता। पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रोटेरियन डिस्ट्रीक गवर्नर श्री अरुण बगड़िया, पोस्ट डिस्ट्रीक गवर्नर आलोक काला,पूर्व न्यायाधीश एवम् रोटेरी क्लब जयपुर गोल्फर्स के अध्यक्ष रोटेरियन श्री जे.के.रांका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री हेम सिंह खंगारोत,उपाध्यक्ष बी पी मूंदड़ा, सचिव डॉक्टर अंजलि जैन, सह सचिव संदीप माथुर,कोषाध्यक्ष नरेश रावतानी द्वारा विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया।अंत में अध्यक्ष रंक साहब ने गोल्फ गोल्फ को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता कर बढ़ावा देने पर जोर दिया।

हॉकी इंडिया की नई नारंगी जर्सी पर विवाद

खिलाड़ियों से सलाह लेने के दावे को टीम मेंबर ने नकारा, दिग्गजों ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट में एक खिलाड़ी और हॉकी इंडिया के एक अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि जर्सी के रंगमें बदलाव को लेकर खिलाड़ियों से सलाह नहीं ली गई थी। अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को नीली जर्सी की जगह नारंगी जर्सी लॉन्च की है। इस बदलाव के बाद कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों और दिग्गजों ने नाराजगी जाहिर की है।

खिलाड़ियों से सलाह के दावे पर सवाल: हॉकी इंडिया ने विरोध के जवाब में गुरुवार को कहा कि जर्सी का रंग बदलने का फैसला खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ से सलाह-मशविरा के बाद लिया गया है। हालांकि, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में भारतीय टीम के एक खिलाड़ी के हवाले से कहा गया है कि उनसे इस संबंध में न तो राय ली गई और न ही सलाह मांगी गई।

वहीं, हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति के एक सदस्य ने भी दावा किया कि उन्हें जर्सी में बदलाव की जानकारी नहीं थी। वे ऐसी किसी आधिकारिक बैठक का हिस्सा नहीं रहे, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हुई हो। जर्सी देखकर कोई प्रेरणा नहीं मिल रही-भास्करन: 1980 ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भी सवाल उठाया है।

रासकिन्हा ने लिखा- टीम को भगवा रंग क्यों पहनाया: भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा ने इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि टीम को भगवा रंग पहनाया जाना शर्मनाक है । प्रियंका गांधी ने भी नई जर्सी आलोचना की: कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से नारंगी किए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की पहचान अहिंसा, सत्य और भाईचारे जैसे मूल्यों से जुड़ी है और इन्हें बदला नहीं जा सकता।

इटली के दिग्गज फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का निधन

फुटबॉल वर्ल्डप के तीनों मेडल जीतने वाले इकलौती खिलाड़ी

नई दिल्ली, 31 जुलाई। इटली के महान फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का 66 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार थे। बारेसी ने गुरुवार को मिलान के ह्यूमनिटास डि रोजानो क्लिनिक में अंतिम सांस ली। अगस्त 2025 में फेफड़ों में गांठ (पल्मोनरी नोड्यूल) हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी, जिसके बाद वे इम्यूनोथेरेपी ले रहे थे। बारेसी ने 1977 से 1997 तक अपने पूरे क्लब करियर में एसी मिलान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने मिलान के लिए 719 आधिकारिक मैच खेले और 33 गोल किए। बारेसी 15 सीजन तक टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में मिलान ने 6 सीरी ए खिताब, 3 यूईएफए चैंपियंस लीग (यूरोपियन कप), 3 यूरोपियन सुपर कप, 2 इंटरकांटिनेंटल कप और 4 इटालियन सुपर कप जीते। उनकी वफादारी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब मिलान दो बार सीरी बी में रेलिगेट हुआ, तब भी वे क्लब के साथ बने रहे। 1997 में उनके संन्यास के बाद मिलान ने उनकी जर्सी नंबर 6 को हमेशा के लिए रिटायर कर दिया। इटली के लिए वर्ल्ड कप जीत : बारेसी ने इटली की नेशनल टीम के लिए 81 मैच खेले। वे फुटबॉल इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने वर्ल्ड कप में गोल्ड (1982), सिल्वर (1994) और ब्रॉन्ज (1990) मेडल जीते हैं। 1994 के वर्ल्ड कप फाइनल में घुटने की सर्जरी के महज 25 दिन बाद उन्होंने ब्राजील के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। 1989 में वे बैलन डीओर के रनर-अप भी रहे थे। बड़े भाई ग्यूसेप बारेसी भी दिग्गज फुटबॉलर रहे: फ्रेंको बारेसी का जन्म 8 मई 1960 को इटली के ट्रावाग्लियाटो में हुआ था। उनके बड़े भाई ग्यूसेप बारेसी भी एक महान फुटबॉलर थे, जो मिलान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी इंटर मिलान के कप्तान थे। बचपन में अनाथ होने के बाद दोनों भाई इंटर मिलान के ट्रायल में गए थे, जहां ग्यूसेप को चुन लिया गया लेकिन फ्रेंको को कमजोर बताकर रिजेक्ट कर दिया गया। इसके बाद फ्रेंको ने एसी मिलान का दामन थामा और इतिहास रचा। फुटबॉल जगत ने दी श्रद्धांजलि: एसी मिलान ने अपने बयान में कहा कि क्लब का पूरा इतिहास फ्रेंको बारेसी के निधन से दुखी है। उनकी ईमानदारी और उदाहरण हमेशा क्लब के डीएनए में रहेंगे। इंटर मिलान ने भी उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे मिलान डर्बी के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक थे। जुवेंटस और नेपोली समेत इटालियन लीग ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। फरवरी 2026 में मिलानो कोर्टिना विंटर ओलंपिक खेलों के दौरान उन्हें आखिरी बार सार्वजनिक रूप से ओलंपिक मशाल ले जाते हुए देखा गया था।

एसएचएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 31 जुलाई। अंडर 12 चैंपियंस कप में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 200 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं! कौशलेंद्र ने सर्वाधिक 50 रनों का योगदान दिया! क्रिकेट अकादमी की ओर से संचित उपाध्याय ने 5 और सौम्य प्रताप सिंह ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएचएसक्रिकेट अकादमी ने 23.3 ओवर में 204 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली! अंश चतुर्वेदी ने 62 और दिव्यांशी ने 42 रनों का योगदान दिया! कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिनव सैनी ने 2 विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच संचित उपाध्याय को चुना गया।

राजस्थान राज्य जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 की शुरुआत 2 से धौलपुर में

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में आयोजित राजस्थान राज्य जूनियर बालिका फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन जिला फुटबाल संघ धौलपुर के द्वारा आयोजित किया जा रहा है प्रतियोगिता 2अगस्त से 4 अगस्त 2026 तक धौलपुर शहर स्थित फुटबाल स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है जिसमें राजस्थान के 11 जिलों कि टीमे भाग ले रही हैजिसमें 200 प्रतिभागी भाग ले रहे है जिला फुटबाल संघ धौलपुर के अध्यक्ष श्री गुरमीत मान व सचिव संदीप सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के आवास व्यवस्था व मैदान पर सभी तरह की तैयारी हो चुकी है। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि इस प्रतियोगिता से ही आगामी राष्ट्रीय जूनियर बालिका प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम का चयन होगा।

श्रीलंका की दुलानी ने शतक से रचा इतिहास

पकिस्तान को टी-20 मैच में मिली छह विकेट से बुरी हार

नई दिल्ली, 31 जुलाई। पाकिस्तान की मेंस टीम जहां वेस्टइंडीज दौरे पर है,वहीं वीमेंस टीम श्रीलंका दौरे पर गईहै. वहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका की सलामी बैटरइमिशा दुलानीने बेहतरीन शतक जड़ा, जिससे उनकी टीम ने पाकिस्तान को छह विकेट से बुरी तरह हरा दिया. इमिशा दुलानी अब श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ने वाली दूसरी श्रीलंकाई महिला बैटर बन गई हैं. उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ चमारी अट्टापट्टू ही कर सकी हैं । दांबुला में खेले गए पहले टी20 मैच में पाकिस्तान की महिला टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. पाकिस्तान को उनकी कप्तान मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई. दोनों ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े. तभी मुनीबा 24 गेंद में नौ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हो गईं. उनके अलावा जुल्फिकार ने 41 गेंद में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन की पारी खेली. इन दोनों के अलावा हालांकि पाकिस्तान की कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर सकी, जिससे पाकिस्तानी टीम सात विकेट पर 176 रन ही बना सकी. श्रीलंका के लिए दो विकेट कविषा दिलहारी ने झटके. दुलानी ने ऐतिहासिक शतक से दिलाई जीत: 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका कीमहिला टीम की सलामी बैटर इमिशा दुलानीने शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश किया. दुलानी ने 64 गेंद में 17 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 101 रन की शतकीय पारी खेली. इसके चलते वह श्रीलंका के महिला क्रिकेट इतिहास में टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाली दूसरी बैटर बनीं. दुलानी के अलावा चमारी अट्टापट्टू ने भी 39 रन बनाए, जिससे श्रीलंका ने आसानी से अपने घर में 19 ओवर में ही चार विकेट पर 177 रन बनाकर पाकिस्तान को छह विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली. अब सीरीज का दूसरा टी20 मैच रविवार यानि दो अगस्त को खेला जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रत को वेटलिफ्टिंग में रजत

सीमा ने डिस्कस थ्रो में कांस्य जीता, भारत 10वें नंबर पर, 17 मेडल जीते

नई दिल्ली, 31 जुलाई। वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें दिन भारत को सिल्वर मेडल दिला दिया है। वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा कालीरमन ने ब्रॉन्ज हासिल किया।

लवप्रीत ने गुरुवार देर रात वेटलिफ्टिंग की 110 वेट कैटेगरी में 388 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 176 और क्लीन एंड जर्क में 212 किलो वजन उठाकर मेडल अपने नाम किया। दूसरी ओर सीमा ने अपने तीसरे प्रयास में 58.65 मीटर डिस्कस थ्रो किया। उनके ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारत के 17 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

लवप्रीत महज एक किलो वेट से गोल्ड चूके: लवप्रीत ने स्नैच में 176 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वे गोल्ड मेडल जीतने के बेहद करीब थे, लेकिन न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयूज से महज एक किलो के अंतर से पिछड़ गए। न्यूजीलैंड के लिटी ने क्लीन एंड जर्क में गेम्स रिकॉर्ड के साथ कुल 389 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 166 और क्लीन एंड जर्क में 223 किग्रा वजन उठाया। इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ ने 356 किलो (165 191) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

खेतों में काम किया, दादा के साथ सब्जियां बेचीं : लवप्रीत सिंह का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसीलिए वे खेतों में काम करते थे, दादा के साथ सब्जियां बेचते थे। लवप्रीत घर की उस घोड़ी की देखभाल भी करते थे, जिसे शादी समारोहों में किराए पर भेजा जाता था। पिता दर्जी थे, लेकिन उन्होंने बेटे को सिलाई के काम में लगाने के बजाय खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

13 साल की उम्र में मिली नई दिशा : 13 साल की उम्र में लवप्रीत ने गांव के कुछ युवाओं को वेटलिफ्टिंग करते देखा। यहीं से इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ा। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्थानीय कोच की देखरेख में अभ्यास शुरू किया। साल 2017 में उन्हें पटियाला के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल कैंप में जगह मिली। यहीं से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू हुआ।

मां बनने के बाद सीमा की वापसी: 27 साल की सीमा कालीरमन ने मां बनने के बाद गेम्स में शानदार वापसी की है। सीमा ने अपने चौथे, पांचवें और छठे प्रयास में फाउल किया, लेकिन 58.65 मीटर के थ्रो ने उन्हें पोडियम तक पहुंचा दिया। इस इवेंट में जमैका की सामंथा हॉल (61.66 मीटर) ने गोल्ड और कनाडा की जूलिया टंक्स (60.67 मीटर) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत की निधि रानी 53.19 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। चोट के कारण तीन साल खेल से दूर रहीं: खेल के साथ सीमा भिवानी के चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में भी कर रही हैं। घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा, लेकिन लंबी रिहैबिलिटेशन के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं सीमा ने 2025 साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। 2026 में उन्होंने 59.73 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो दर्ज किया। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई।

PIMS CITY HOSPITAL

विशेषज्ञ डॉक्टरों का अनुभव, अब उदयपुर के साथ।

जनरल एवं सुपर स्पेशियलिटी विभागों में अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा परामर्श एवं उपचार।

डॉ. कमल किशोर बिश्नोई
सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट

डॉ. धवल व्यास
गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट

डॉ. कुरैश बम्बोरा
सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट

डॉ. सचिन जैन
मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट

डॉ. हितेश यादव
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. गौरव जैन
स्पोर्ट्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

डॉ. कपिल श्रीमाली
नबजात एवं शिशुरोग विशेषज्ञ

डॉ. गिरीश बंसल
नवजात व बाल रोग विशेषज्ञ

डॉ. मनीष भट्ट
यूरोलॉजिस्ट

डॉ. शब्दिका कुलश्रेष्ठ
प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ

डॉ. चारुलता पूर्बिया
स्त्री रोग विशेषज्ञ

डॉ. अजय पाल
जनरल फिजिशियन

डॉ. जे.के. छाप्परवाल
फिजिशियन

डॉ. सचिन मोदी
एंडोक्रिनोलॉजिस्ट

डॉ. नितीश कथूरिया
नेत्र रोग विशेषज्ञ

डॉ. देवेश वर्मा
प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जन

डॉ. अनुराग पाटेरिया
न्यूरोसर्जन

डॉ. राजेश खोईवाल
न्यूरोलॉजिस्ट

कैशलेस सुविधा किफायती इलाज सभी प्रमुख इंश्योरेंस एवं हेल्थ इंश्योरेंस

VIDAL HEALTH · STAR Health Insurance · Medi Assist · MAGMA General Insurance Limited · ADITYA BIRLA CAPITAL HEALTH INSURANCE · IndusInd GENERAL INSURANCE · TATA AIG INSURANCE · ICICI Lombard · ManipalCigna Health Insurance · IFFCO-TOKIO · Link-K Insurance TPA Pvt Ltd · Liberty General Insurance · Universal Sompo General Insurance · Raksha TPA · United India Insurance Company Ltd. · ACKO · BAJAJ LIFE · GENERALI Central LIFE INSURANCE · zuno · Galaxy Health Insurance

विशेष ऑफर : सभी विभागों में *निःशुल्क चिकित्सक परामर्श*

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में आकर्षक पैकेज एवं विशेष लाभ उपलब्ध

सामान्य प्रसव	सीज़ेरियन प्रसव	हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने की सर्जरी)
~~₹50,000~~	~~₹70,000~~	~~₹80,000~~
₹10,000	₹20,000	₹40,000

आज ही अपना अपॉइंटमेंट बुक करें

7766-80-7766

NEAR SOLITAIRE GARDEN, MEERA NAGAR, UDAIPUR

care@pimscityhospital.com /PIMScityhospital www.pimscityhospital.com

विवादों के समाधान का मूल आधार संवाद, विश्वास व मध्यस्थता है- जस्टिस सूर्यकांत

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि मध्यस्थता दोनों पक्षों को सम्मानजनक समाधान देती है

जयपुर, 31 जुलाई। राजधानी जयपुर के टोंक रोड स्थित होटल ललित में शुक्रवार से कॉमनवेल्थ पीस, मीडिएशन एंड रूल ऑफ लॉ कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कॉमनवेल्थ के 52 देशों के न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता और विधि विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा, जाम्बिया सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश आभा नायर पटेल सहित, देश-विदेश के अनेक न्यायविद् उपस्थित थे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के होटल ललित में कॉमनवेल्थ पीस, मीडिएशन एंड रूल ऑफ लॉ कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया।

- **तीन दिवसीय सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम ''जयपुर पीस मीडिएशन डिक्लरेशन'' होगा, जिस पर कॉमनवैल्थ देशों व न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता और विधि विशेषज्ञ हस्ताक्षर करेंगे। यह घोषणा पत्र आने वाले वर्षों में शांति, मध्यस्थता और विधि व शासन के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में कार्य करेगा।**

उद्घाटन संबोधन में सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मध्यस्थता का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी एक आवाज दूसरी आवाज को दबा न सके। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन समय से गांवों की पंचायतें आपसी संवाद और समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान करती रही हैं और आज भी मध्यस्थता का वही मूल भाव प्रासंगिक है।

सीजेआई ने कहा कि चाहे दो पड़ोसियों के बीच किसी छोटे विवाद का मामला हो या दो देशों के बीच युद्धविराम का प्रश्न, विवादों के समाधान का मूल आधार संवाद, विश्वास और मध्यस्थता ही है। उन्होंने कहा कि यह कानूनी पेशे के सबसे कठिन, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कौशलों में से एक है, जिसे प्रशिक्षण और अनुभव से विकसित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सम्मेलन को न्याय व्यवस्था में नई सोच, नई दिशा और नए वैश्विक दृष्टिकोण की शुरुआत बताते हुए कहा कि न्यायालयों में एक पक्ष जीतता और दूसरा हारता है, जबकि मध्यस्थता दोनों पक्षों को सम्मानजनक समाधान देती है और वर्षों से चली आ रही कटुता एवं अविश्वास को समाप्त करती है।

राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि आधुनिक न्याय व्यवस्था केवल निर्णय देने वाली नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने वाली होनी चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि भारतीय संस्कृति संघर्ष से पहले संवाद और समझौते को महत्व देती है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम ''जयपुर पीस मीडिएशन डिक्लेरेशन'' होगा, जिस पर कॉमनवेल्थ देशों के न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता और विधि विशेषज्ञ हस्ताक्षर करेंगे। यह घोषणा-पत्र आने वाले वर्षों में कॉमनवेल्थ देशों में शांति, मध्यस्थता और विधि के शासन के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में कार्य करेगा। सम्मेलन में जाम्बिया, श्रीलंका, बहामास, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, बांग्लादेश, केन्या, मालदीव, जिम्बाब्वे, हांगकांग सहित, अनेक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री आज उदयपुर में

जयपुर, 31 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 1 एवं 2 अगस्त को उदयपुर तथा राजसमंद जिलों के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री पर्यावरण संरक्षण, युवा जागरूकता, ग्रामीण विकास तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन से संवाद कर विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे।

मुख्यमंत्री 1 अगस्त को उदयपुर के दूध तलाई (पिछोला) में आयोजित राज्य स्तरीय वन महोत्सव समारोह में

- **वे राज्यस्तरीय वन महोत्सव के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे।**

भाग लेंगे। इस अवसर पर वे चंदनवन में पौधारोपण करेंगे और झाड़ोल क्षेत्र के बीड़ा गांव में ग्राम विकास चौपाल में भाग लेंगे। दौरे के दूसरे दिन 2 अगस्त को मुख्यमंत्री उदयपुर के राजस्थान कृषि महाविद्यालय, जाएंगे, जहाँ वे नारी शक्ति रैली को फ्लैग ऑफ करेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से शामिल होंगे।

पंचायत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पूर्व में 22 मई के आदेश से राज्य सरकार व चुनाव आयोग को चुनाव प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक पूरी करने का निर्देश दिया था, लेकिन इस दौरान ही राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में पंचायत व निकाय चुनाव का समय बढ़वाने का प्रार्थना पत्र दायर किया। खंडपीठ ने 20 जुलाई के आदेश से चुनाव का समय बढ़ाते हुए राज्य सरकार को पंचायत व निकाय चुनाव 15 नवंबर तक करवाने का निर्देश दिया।

ईरान और अमेरिका एक दूसरे पर डायरैक्ट अटैक से हिचकिचा रहे हैं

पर ईरान समर्थित चरमपंथी गुटों की गतिविधियों के कारण मिडिल ईस्ट में कभी भी स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **ईरान के प्रॉक्सी और ईरान समर्थित मिलिशिया दूसरे देशों पर लगातार हमला कर बड़े युद्ध का खतरा बढ़ा रहे है, इसलिए क्षेत्र में इन गुटों के हमलों के प्रति नाराज़गी लगातार बढ़ रही है।**
- **सऊदी अरब पर यमन के हूती लड़ाकों (ईरान समर्थित) ने हमले किए हैं। ज्ञातव्य है कि कई दशकों से हूती लड़ाके सऊदी अरब के खिलाफ लड़ रहे हैं। हूती शिया गुट है और सऊदी अरब सुन्नी देश है।**
- **इसके जवाब में सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ मिलकर हूती व दूसरे शिया लड़ाकों पर हमले किए, यह एक तरह से सऊदी अरब की सीधी सैन्य कार्यवाही थी, हालांकि, अब खबरें मिल रही हैं कि सऊदी अरब तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है। पर, यह इतना आसान नहीं है।**

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कई रातों तक एक-दूसरे पर लगातार भारी हमले करने के बाद, अब ईरान और अमेरिका ने सीधे तौर पर एक-दूसरे पर हमला करना बंद कर दिया है। हालांकि, इससे होने वाले नुकसान और खतरे बढ़ रहे है।

इस क्षेत्र के दूसरे देशों पर हो रहे ये हमले, जो मुख्य रूप से ईरान के प्रॉक्सी और ईरान समर्थित मिलिशिया कर रहे हैं, पूरे क्षेत्र में बड़े युद्ध का खतरा बढ़ा रहे हैं। इन ईरान समर्थित समूहों के हमलों के खिलाफ गुस्सा चरम पर है और स्थिति ऐसी बनती जा रही है कि इनके बीच सीधा टकराव हो सकता है

रिपोर्टों के अनुसार, मिस्र के एक बंदरगाह पर दो जहाज़ों पर ड्रोन से हमला किया गया, जिससे भीषण आग लग गई और दोनों जहाज़ों को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि मिस्र के बंदरगाह पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि यह इज़रायल के ''फॉल्स फ्लेग ऑपरेशन'' (धोखे से किए गए हमले) हो सकते हैं।

दूसरी ओर, ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत में स्थित अमेरिका के एक बड़े एयरबेस पर हमला किया है, जहां अमेरिकी वायुसेना के महत्वपूर्ण संसाधन मौजूद थे। हालांकि कुवैत ने इस हमले या नुकसान की पुष्टि नहीं की है और न ही अमेरिका ने इसकी पुष्टि की है। साफ तौर पर यह भी देखा जा रहा है कि असल लड़ाई के अलावा, एक तरह का गलत जानकारी फैलाने का अभियान भी चल रहा है।

तथापि, ईरान ने पहले ही देशों की चेतावनी दे दी थी कि अगर किसी देश की जमीन या उसकी सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने अभियान में किया, तो वह कार्रवाई कर सकता है। इससे पहले सायप्रस द्वीप पर स्थित एक ब्रिटिश सैन्य अड्डे पर हमला किया गया था, जिसमें एयरबेस की कुछ सुविधाओं को नुकसान पहुंचा था।

एक तरह से ईरान ऐसे कदम उठा रहा है, जिनसे इस संघर्ष में मध्य पूर्व के और भी कई देश शामिल हो सकते हैं। ईरान का उद्देश्य इन देशों को डराना और दबाव में लाना है, ताकि वे अपने यहां अमेरिका की सैन्य मौजूदगी और उसकी सुविधाओं को अनुमति न दें।

सऊदी अरब ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रही लड़ाई में सीधे शामिल होने से अब तक बहुत सावधानी बरती है। लेकिन यह भी सच है कि सऊदी अरब अपनी जमीन पर अमेरिका के कई बड़े अहम एयरबेस और सैन्य ठिकानों को अनुमति देता है।

सऊदी अरब को सजा देने के लिए ईरान समर्थित समूहों, खासकर यमन के हूती विद्रोहियों, ने जो कई दशकों से सऊदी अरब के खिलाफ लड़ रहे हैं, सऊदी सेना के ठिकानों पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। हूती हमलों में सऊदी अरब की कई तेल उत्पादन सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

इसके जवाब में सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थित संगठनों, जैसे हूती और शिया लड़ाकों के ठिकानों पर हवाई हमले किए। यह ईरान के सीधे नियंत्रण और समर्थन वाले प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ अमेरिका के साथ सऊदी अरब की सीधी सैन्य कार्रवाई थी। हालांकि बाद की रिपोर्टों से पता चलता है कि सऊदी अरब अब तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन ऐसा करना जितना आसान लगता है, उतना है नहीं।

राष्ट्रपति ट्रंप अब बेहद मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं। यह युद्ध उनकी शुरुआती उम्मीदों से कहीं ज्यादा फैल चुका है। दूसरी ओर, यदि वे अपने किसी भी लक्ष्य को हासिल किए बिना अचानक पीछे हटते हैं, तो उनकी स्थिति पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की उपलब्धियों के मुकाबले बहुत खराब दिखेगी।

जयपुर ग्रामीण में भाजपा प्रत्याशी की मात्र 1615 वोटों से विवादित जीत का मामला फिर गरमाया, चुनाव आयोग कटघरे में

हाईकोर्ट ने चुनाव अधिकारियों को मामले में आवश्यक पक्षकार बने रहने का फैसला दिया

-यादवेन्द्र शर्मा-

- **अदालत ने कहा कि एक ओर तो चुनाव अधिकारियों ने कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा की ''री-काउंटिंग'' क़ी गुहार को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि खारिज किये गये डाकमत 1225 ही हैं जो जीत के अंतर रद्द करने के लिये पर्याप्त नहीं, फिर इन्हीं अफसरों ने सूचना के अधिकार में दी जानकारी में खारिज किये गये डाकमतों की संख्या 2738 बताई।**
- **अदालत ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट, जो निर्वाचन अधिकारी भी हैं, उप निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और चुनाव आयोग के राजस्थान क्षेत्र के सचिव ही इस विवाद का स्पष्टीकरण दे सकते हैं, इसीलिये आवश्यक पक्षकार बने रहे।**
- **याचिकाकर्ता अनिल चोपड़ा के वकील संजय शर्मा ने कहा कि 2024 में हुए चुनावों में चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया था कि डाक मतों की गणना पहले की जायेगी और उसके बाद ही ईवीएम मशीन से दिये गये मतों की, परंतु, जयपुर ग्रामीण के चुनाव में डाक मतों की गणना बाद में की गई। इस सबसे मतगणना पर कई सवाल पैदा हो जाते हैं।**

जयपुर, 31 जुलाई। जयपुर ग्रामीण के वर्ष 2024 में हुये संसदीय चुनाव का मामला फिर गरमा गया है। जैसा कि विदित है कि इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह की कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा के विरुद्ध बड़ी विवादित और बहुत ही कम अंतर से जीत हुई थी। इस विवाद को लेकर हाईकोर्ट में दायर चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी ने चुनाव आयोग और उसके अफसरों के आवेदन को खारिज करते हुए आदेश दिया है और कहा है कि वह इस मामले में आवश्यक पक्षकार बने रहेंगे।

अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग के अफसरों ने ही याचिकाकर्ता अनिल चोपड़ा की ''रिकाउंटिंग'' क़ी गुहार को रद्द करते हुए कहा था कि मतगणना में मात्र 1225 डाकमत ही निरस्त किये गये हैं और यह संख्या भाजपा प्रत्याशी को मिले वोट के अंतर, 1615, से कम है, ऐसे में किसी भी सूरत में कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव का परिणाम नहीं बदल पायेंगे। बाद में इन्हीं चुनाव अधिकारियों ने ही अनिल चोपड़ा की सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में निरस्त किये गये डाकमतों की संख्या 2738 बताई। इन तथ्यों के मद्देनजर रखते हुए अदालत ने जयपुर ग्रामीण चुनाव क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट- कम- निर्वाचन अधिकारी, उप निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और चुनाव आयोग के राजस्थान क्षेत्र के सचिव के खिलाफ आदेश दिये और कहा कि वे इस मामले में आवश्यक पक्षकार बने रहेंगे।

यह मामला शुरू से ही इसलिये विवादित रहा, क्योंकि अनिल चोपड़ा मतगणना के दिन दोपहर 1.30 बजे तक भाजपा प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह से मतों में काफी आगे चल रहे थे। अनिल चोपड़ा के ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता संजय शर्मा ने बताया कि 19 राउंड की मतगणना के बाद अनिल चोपड़ा लगभग 7500 वोटों से आगे चल रहे थे, परंतु फिर वोटिंग की गणना सही नहीं की गई और चुनाव अधिकारियों द्वारा मतों की गणना के आंकड़े जारी करना भी बंद कर दिया गया। संजय शर्मा ने बताया कि अनिल चोपड़ा की टीम का कहना है कि उन्हें यह भी स्पष्ट रुप से नहीं दिखाया गया कि कितने और किन मतों को किस-किस वजह से निरस्त किया गया।

संजय शर्मा ने इस बात की भी पुष्टि की कि 2024 में हुए चुनावों में चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया था कि डाक मतों की गणना पहले की जायेगी और उसके बाद ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन से दिये गये मतों की गणना की जायेगी, परंतु जयपुर ग्रामीण के चुनाव में स्पष्ट है कि डाक मतों की गणना नीति के विरुद्ध जाते हुए, ईवीएम से मिले वोटों के बाद में की गई। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह डाकमतों की गणना की गई है और जिस तरह से वोटों को निरस्त किया गया है, वह चुनाव मतगणना की प्रक्रिया पर कई सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि इसका जवाब तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को स्वयं ही देना होगा, इसीलिये अदालत ने उन्हें आवश्यक पक्षकार बनाये रखने का आदेश दिया है।

गंगनहर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और चारों गंगनहर में लापता हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि गंगनहर में सिल्ट सफाई के कारण जलस्तर कम होने से श्रद्धालु बीच धारा तक चले गए थे। इसी दौरान गहरे गड्ढे में फंसने से यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही, स्थानीय पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। काफी देर तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद चारों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए। एसपी सिटी अभय सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है।

विपक्षी दलों के हंगामे में लोकसभा सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली, 31 जुलाई। लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी दलों के सदस्यों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

- **विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्यवाही तथा राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर शोर मचाया।**

छात्रों पर हुई पुलिस की कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार केन्द्र सरकार पर हमलावर है। लोकसभा और राज्यसभा में शुक्रवार को भी सत्तापक्ष-विपक्ष में टकराव की स्थिति बनी रही। विपक्ष के हंगामे के चलते राज्यसभा के बाद लोकसभा की कार्यवाही भी 3 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

'पीओके में अत्याचार के लिए पाकिस्तान जिम्मेवार'

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत ने विश्व समुदाय से पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में पाक की गतिविधियों की जांच करने और वहां किए जा रहे अत्याचारों के लिए उसे जवाबदेह ठहराए जाने की अपील की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि मीडिया जगत को भी पता है कि कैसे पाकिस्तानी प्रशासन पोओजेक में शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ बेरहमी से बल प्रयोग कर रहा है। इस कार्रवाई में 40 से ज़्यादा नागरिकों की दुखद मौत हुई है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में जुलाई 2026 के अंत में होने वाले विवादित क्षेत्रीय चुनावों के खिलाफ आर्थिक शिकायतों और राजनीतिक मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की है जिसमें 40 से अधिक नागरिक मारे गए।

अभिजीत दीपके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले ही सीजेपी का कहना था कि यह संशोधन पेपर लीक रोकने के बजाय, लीक होने के बाद सजा देने पर ज्यादा ध्यान देता है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने एक वीडियो संदेश में कहा था, ''आप पेपर लीक होने के बाद की हर बात कर रहे हैं- चाहे फास्ट-ट्रैक अदालतें हों, कड़ी सजा हो या जुर्माना। लेकिन आपने यह नहीं बताया कि पेपर लीक होने से पहले उसे रोकने के लिए क्या किया जा रहा है।'' उन्होंने केन्द्र सरकार से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में सुधार और परीक्षा प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाने की मांग की थी। प्रधानमंत्री मोदी पर दीपके का यह ताजा तंज पहला हमला नहीं है। घर लौटने के बाद उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री को राजनीति छोड़कर पूर्णकालिक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बन जाना चाहिए, क्योंकि उनके देर रात आने वाले सैल्फी वीडियो काफी चर्चा बटोर रहे हैं। दीपके ने कहा था, ''मुझे लगता है कि वे एक इन्फ्लुएंसर के रूप में बहुत अच्छा काम करेंगे। इस भूमिका में वे शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। शायद उन्हें प्रधानमंत्री पद छोड़कर इन्फ्लुएंसर बन जाना चाहिए और देश चलाने की जिम्मेदारी किसी और को संभालनी चाहिए।''

एसआईआर : हरियाणा में 33.83 लाख, आंध्र में 44.89 लाख मतदाता घटे

ये कटौती मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, अनुपस्थिति तथा एक अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होने के कारण है

नई दिल्ली, 31 जुलाई। हरियाणा और आंध्र प्रदेश में 15 जून से 24 जुलाई तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य चला। दोनों राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने शुक्रवार को मतदाता सत्यापन के प्रमुख आंकड़े साझा किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा में 33.83 लाख और आंध्र प्रदेश में 44.89 लाख मतदाताओं (यानी 16.39 और 10.88 प्रतिशत) का नाम सूची से हटाया गया है। इन मामलों में मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, अनुपस्थिति और एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होने जैसी स्थितियां हैं।

- **चुनाव आयोग ने कहा कि 31 जुलाई से 30 अगस्त तक चलने वाली दावे व आपत्तियों की अवधि के दौरान वास्तविक पात्र मतदाता फार्म-6 तथा निर्धारित घोषणा पत्र के आधार पर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।**

चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में कुल 1.727 करोड़ (83.61 प्रतिशत) मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त हुए। 24.13 लाख (11.68 प्रतिशत) मतदाता स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित अथवा अन्य कारणों से सत्यापित नहीं हो सके। 7.66 लाख (3.71 प्रतिशत) मतदाताओं के निधन की जानकारी मिली, जबकि 2.04 लाख (0.99 प्रतिशत) मतदाता एक से अधिक स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज पाए गए।

वहीं, आंध्र प्रदेश में 3.71 करोड़ (89.22 प्रतिशत) मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए। 15.22 लाख (3.66 प्रतिशत) मतदाताओं के निधन की पुष्टि हुई। 22.30 लाख (5.35 प्रतिशत) मतदाता स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित अथवा अन्य श्रेणी में पाए गए। इसके अलावा 7.37 लाख (1.77 प्रतिशत) मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज मिले।

निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं के प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए, वे आवश्यक नहीं कि सूची से बाहर कर दिए जाएं। ऐसे मामलों में कारण यह हो सकता है कि संबंधित व्यक्ति दूसरे राज्य में मतदाता बन चुका हो, निर्धारित अवधि तक प्रपत्र जमा न किया हो, संबंधित पते पर उपलब्ध न मिला हो या किसी अन्य कारण से पंजीकरण नहीं कराना चाहता हो।

आयोग ने बताया है कि 31 जुलाई से 30 अगस्त तक चलने वाली दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान, वास्तविक पात्र मतदाता फॉर्म-6 तथा निर्धारित घोषणा-पत्र के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।

शहज़ाद पूनावाला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साझा की, जिसमें वे यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो हर व्यक्ति को, उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, समान अवसर देती है।

वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, ''केवल भाजपा ही नरेन्द्र मोदी जी जैसे स्वयं के दम पर आगे बढ़े व्यक्ति को देश का नेतृत्व सौंप सकती है। बाकी दल केवल अपने बच्चों और वंशवाद को आगे बढ़ाते हैं। इसलिए युवाओं के लिए भाजपा आज भी सबसे बेहतर विकल्प है।'' लेकिन इस पोस्ट में उन्होंने भाजपा छोड़ने का कोई उल्लेख नहीं किया। पिछले कुछ दिनों में पूनावाला की एक्स पोस्टों से यह संकेत मिल रहा था कि वे सक्रिय राजनीति से दूरी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपने पुराने साक्षात्कारों की कुछ वीडियो क्लिप बिना किसी कैप्शन के साझा की थीं, जिनमें वे राजनीति छोड़ने की बात करते दिखाई देते हैं।

ऐसी ही एक वीडियो में वे कहते हैं, ''समस्या यह है कि हम राजनीतिक लक्ष्य और चुनावी लक्ष्य को एक ही मान लेते हैं, जबकि दोनों अलग-अलग हैं। यह सोचना एक गलती है कि समाज के लिए मैं तभी योगदान कर सकूँगा, जब मैं कोई चुनाव जीतूँ। यदि मैं सांसद नहीं बनता, तो क्या इसका यह मतलब है कि समाज और राजनीति में मेरा कोई योगदान नहीं है? क्या मुझे अपनी सारी ऊर्जा केवल पद पाने की दौड़ में लगा देनी चाहिए? मेरा मानना है कि हर व्यक्ति को यह सोचना चाहिए कि वह देश के लिए क्या योगदान दे सकता है। कुछ लोग जनप्रतिनिधि बनकर योगदान देते हैं, जबकि कुछ लोग चुनाव तन्त्र के बाहर रहकर भी अपना योगदान देते हैं, समाज की सेवा करते हैं। इसका यह अर्थ नहीं कि वे राजनीति से अलग हो गए हैं।'' उनके सोशल मीडिया के अनुसार, यह वीडियो जनवरी 2025 का है।

वंदे भारत एक्सप्रेस से 'लाइव हार्ट' सुरक्षित पहुंचाया गया

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारतीय रेल ने पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए जीवित हृदय (लाइव हार्ट) को सूरत से अहमदाबाद सुरक्षित पहुंचा कर नया इतिहास बनाया है। इस हृदय का प्रत्यारोपण अहमदाबाद के यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में किया जाएगा। लाइव हार्ट को ट्रेन संख्या 20901, मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदेभारत एक्सप्रेस से अहमदाबाद लाया गया।

- **सूरत से अहमदाबाद पहुंचे जीवित हृदय का प्रत्यारोपण, अहमदाबाद के यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में किया जायेगा।**

पूरा अभियान समय के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण था, क्योंकि हृदय को तय समय के भीतर अस्पताल पहुंचाना जरूरी था। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से अस्पताल तक हृदय को ले जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और गुजरात पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इससे बिना किसी रुकावट के हृदय को सीधे अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि प्रत्यारोपण में देरी न हो।

अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेदप्रकाश ने इस उपलब्धि को भारतीय रेलवे के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि ऐसे जीवनरक्षक अभियानों में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है।

वेदप्रकाश ने कहा, इस अभियान की सफलता में भारतीय रेल के विभिन्न विभागों, रेलवे सुरक्षा बल, गुजरात राज्य पुलिस, चिकित्सकों, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेलवे ने कहा कि सभी एजेंसियों के बीच त्वरित और प्रभावी समन्वय के कारण यह चुनौतीपूर्ण मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया जा सका।

'चुनाव आयुक्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय पर भरोसा नहीं किया जा सकता, तो फिर ऐसा प्रावधान क्यों न हो कि वे अपने मंत्रिमंडल का चयन करते समय भी किसी पूर्व न्यायाधीश या बाहरी व्यक्ति से परामर्श लें?'' ये दलीलें न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चन्द्र शर्मा की बैंच के समक्ष प्रस्तुत की गईं। पीठ ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया।

भिवंडी में चार मंजिला बिल्डिंग गिरी, 10 की मौत

मुंबई, 31 जुलाई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित भिवंडी में चार मंजिला बिल्डिंग हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के एक ही परिवार के चार लोग शामिल हैं। इस घटना में चार घायलों का इलाज इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल में हो रहा है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि इस घटना में मृतकों के प्रति सरकार संवेदनशील है। लेकिन घटनास्थल पर चोरी से मरम्मत का काम हो रहा था, जो कि बहुत ही अक्षम्य है। इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाएगी और दोषियों को कठोर सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस घटना में मृतकों के आश्रितों को प्रत्येक 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

KEDIA™
Pavitra
अशुद्ध के विरुद्ध
आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध
24 कैरेट
अब 18 कैरेट की रेट में !
MRP:
₹500
आन्दोलन
Celebration Price
₹400
DESHI CHAKKI AATA
देशी चक्की आटा
NET WEIGHT: 10 kg
FIXED PRICE
• केडिया पवित्र देशी चक्की आटा •
दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727
अपने नजदीकी रिटेलर और
Zepto पर उपलब्ध !
ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP
ORDER ON ZEPTO
T&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes

KEDIA™
Pavitra
अशुद्ध के विरुद्ध
आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध
भारत का असली प्रोटीन
अनपॉलिश्ड
कम मॉइश्चर
बोल्ड साइज
हाइएस्ट ग्रेड
एक्सपोर्ट क़्वालिटी
सॉर्टेक्स क्लीन्ड
पहली बार ट्रिपल लेयर पैकेजिंग में जिप लॉक के साथ
1 साल की शेल्फ लाइफ
पॉलिश की हुई दाल के नुकसान:
दाल को चमकदार और सुंदर दिखाने के लिए उसे जहरीले केमिकल, नॉन-एडिबल ऑयल या पॉलिशिंग एजेंट से पॉलिश किया जाता है, जिन्हें दालें सोख लेती हैं और ये हमारे शरीर में जाकर लिवर और पाचन तंत्र को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
उपलब्ध दालें
• चना दाल • मूंग दाल (छिलका) • मूंग दाल • अरहर / तूर दाल
• उड़द दाल (छिलका) • उड़द दाल • मसूर मलका • मसूर दाल
• काला चना • काबुली चना • हरा चना • हरा मटर • मोठ
• हरा मूंग • राजमा चित्रा • राजमा लाल • राजमा कश्मीरी
दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727
अपने नजदीकी रिटेलर और
Zepto पर उपलब्ध !
ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP
ORDER ON ZEPTO
T&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes